DELHI CRIME 15 june 2022:Layout 1 6/14/2022 6:32 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | बुधवार 15 जून 2022 | पीडीएफ अंक-56 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –40 सूर्योदय – 5 : 22
न्यूनतम – 32 सूर्यास्त – 7 : 20

सोना चांदी

सोना – 52115.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 61500.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 52693.57 निफ्टी – 15732.10
रु/यूएस डॉलर – 78.02 रु/यूरो – 81.52

न्यूज फ्लैश

मंत्रिमंडल ने कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण को ऋणों की अदायगी पर रोक की दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट पर काबू पाने के लिए 446.83 करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की बकाया राशि की अदायगी के लिए कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण (सीओपीए) को तीन वर्ष (2020-21, 2021-22 और 2022-23) की मोहलत देने को मंजूरी दे दी है। राशि का भुगतान 10 किस्तों में किया जाना था जो 2018-19 से शुरू हो चुकी थी। हालांकि, कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण केवल 2018-19 और 2019-20 की किस्तों का भुगतान कर सका था। 2020-21 से, कोविड-19 महामारी के कारण लेन-देन बुरी तरह प्रभावित हुआ था जिसके कारण नकदी आने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। परिणामस्वरूप, कोचीन बंदरगाह 2020-21 और 2021-22 की किस्तों का भुगतान नहीं कर सका। कोचीन बंदरगाह को नवंबर 2021 से प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण कानून, 2021 के तहत लाया गया है। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने 24.08.2016 को कोचीन बंदरगाह द्वारा 1936-37 से 1994-95 के दौरान विभिन्न ढांचागत विकासात्मक गतिविधियों लिए गए भारत सरकार के ऋण पर दंडस्वरूप ब्याज में छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

अमरनाथ यात्रा के लिए जरुरी होगा आधार कार्ड, आधार के बिना नहीं होंगे बाबा बफार्नी के दर्शन

30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलेगी यात्रा

श्रीनगर। श्री अमरनाथ जी की तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड होना जरूरी है, अन्यथा वह बाबा बफार्नी के दर्शन से वंचित रहे सकते हैं। इसकारण जरूरी है कि जिनके पास आधार कार्ड नहीं है वह इसे बनवाएं और फिर इस प्रमाणित भी करवाएं। इस संदर्भ में जम्मू कश्मीर प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। इस वर्ष यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए बालटाल और पहलगाम में 35 हजार श्रमिकों का पंजीकरण होगा। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं को घोड़े-खच्चर की सेवा उपलब्ध कराने वालों को आर-एफआइडी कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में मंगलवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शंकर की प्रथम पूजा होगी। इसमें श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीतिश्वर कुमार और बोर्ड के अन्य अधिकारियों व श्री अमरनाथ यात्री न्यास के पदाधिकारी भाग लेने वाले हैं। श्राइन बोर्ड हर वर्ष तीर्थयात्रा के शुभारंभ से पूर्व ज्येष्ठ पूर्णिमा को पवित्र गुफा में भगवान की शंकर की पूजा अर्चना और हवन का आयोजन करता है। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब 20 दिन से भी कम का समय रह गया है। इस बार यात्रा को सुगम बनाने के लिए श्रीनगर से ही हेलीकाप्टर सेवा शुरू करने के साथ कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। श्रद्धालुओं से कहा जा रहा है कि यात्रा के लिए केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र को अपने स्वास्थ्य का गारंटी कार्ड समझने की भूल न करें। डाक्टरों का कहना है कि यात्रा में आने से पहले अपने शरीर को इन दुर्गम रास्तों पर चलने के लिए तैयार करें। प्रदेश प्रशासन ने आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास विभाग के विशेष सचिव सूरज प्रकाश को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड में आपदा प्रबंधन एवं संबंधित कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि कार्य के दौरान कोई मुश्किल पेश न आए। साथ ही तहसीलदार लताफत कादिर शाल और आपदा प्रबंधन विभाग के सलाहकार वसीम शफी डार को राहत एवं पुनर्वास श्रीनगर के कार्यालय में जिला उपायुक्त उनकी मदद के लिए नियुक्त किया है। श्रीनगर के डलगेट स्थित टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर में सभी 45 शिविर निदेशकों की कार्यशाला भी सोमवार को समाप्त हो गई। इसमें अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। लोक कार्य सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर ने यात्रा मार्ग पर सड़क, पुलों, शेड और फुटपाथ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। कश्मीर ऊर्जा वितरण निगम के चीफ इंजीनियर ने श्रद्धालुओं के शिविरों और पवित्र गुफा में बिजली आपूर्ति के लिए लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइन क बारे में जानकारी दी। जलशक्ति विभाग ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के बारे में बताया। श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतिश्वर कुमार ने बालटाल में यात्रा मार्ग का हवाई सर्वे किया। उन्होंने 700 बिस्तर की क्षमता वाले डीआरडीओ अस्पताल, लंगर, सुरक्षा प्रबंध भी जांचे। उन्होंने टेंट सिटी का भी मुआयना किया। टेंट सिटी में करीब 800 टेंट लगाए जा रहे हैं। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आरके गोयल ने सांबा और कठुआ में यात्रा के प्रबंध जांचे। सांबा में आठ हजार श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए 22 केंद्र और कठुआ जिले में 31 केंद्र बनाए गए हैं।

स्वतंत्रता के 75 साल पर कैदी भी लेंगे आजादी की सांस ऐसे लोग होंगे जेलों से रिहा

नई दिल्ली। आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र ने राज्यों से कुछ खास श्रेणी के कैदियों की सजा माफ करने के लिए कहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि 50 साल से अधिक उम्र की महिला और ट्रांसजेंडर दोषियों को तीन चरणों में रिहा किया जा सकता है। हालांकि, इसमें उनके अच्छे आचरण को ध्यान रखा जाएगा। साथ ही इसका लाभ उन कैदियों को मिलेगा, जिन्हें पिछले तीन साल में दंडित नहीं किया गया है और जिन्होंने अपनी आधी सजा पूरी कर ली है। ऐसे कैदियों की रिहाई स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस 2023 और अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर होगी। पुरुष कैदियों के लिए भी यही नियम लागू होते हैं, सिवाय इसके कि उनकी उम्र 60 वर्ष और उससे अधिक तय की गई है। विशेष योजना के तहत जिन अन्य लोगों को क्षमा किया जा सकता है, उनमें 70% या उससे अधिक विकलांगता वाले दिव्यांग अपराधियों के अलावा मानसिक रूप से बीमार कैदी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी कुल सजा का 66% पूरा कर लिया है। योजना के लाभार्थियों में गरीब कैदी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है, लेकिन अभी भी जुमार्ना का भुगतान न करने के कारण जेल में हैं।

प्रधानमंत्री 16-17 जून को धर्मशाला में मुख्य सचिवों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 और 17 जून को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में मुख्य सचिवों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि मुख्य सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन 15, 16 और 17 जून को होगा। सम्मेलन में केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और डोमेन विशेषज्ञों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 से अधिक लोग भाग लेंगे। तीन दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन राज्यों के साथ साझेदारी में तीव्र और निरंतर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए सम्मेलन कृषि में स्थिरता, नौकरियों के सृजन, शिक्षा, जीवन में आसानी और आत्मानिर्भरता के साथ उच्च विकास के लिए सहयोगात्मक कार्रवाई के लिए आधार तैयार करेगा। सम्मेलन आम विकास एजेंडा को आगे बढ़ाने और कार्यान्वयन पर जोर देगा और लोगों की आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए एकजुट कार्रवाई का खाका तैयार करेगा। इस सम्मेलन की अवधारणा और एजेंडा छह महीने में 100 से अधिक दौर के विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। सम्मेलन में विस्तृत विचार-विमर्श के लिए तीन विषयों की पहचान की गई है: (i) राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन; (ii) शहरी शासन; और (iii) फसल विविधीकरण और तिलहन, दलहन और अन्य कृषि-वस्तुओं में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों पर विचार किया जाएगा। प्रत्येक विषय के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वोत्तम प्रथाओं को परस्पर सीखने के लिए सम्मेलन में प्रस्तुत किया जाएगा। एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम पर एक सत्र होगा जो अब तक की उपलब्धियों पर विचार करेगा, जिसमें विशिष्ट जिलों में युवा कलेक्टरों द्वारा प्रस्तुत डेटा आधारित शासन सहित सफल केस स्टडीज शामिल हैं। 'आजादी का अमृत महोत्सवः 2047 का रोडमैप' पर एक विशेष सत्र और व्यवसाय करने में आसानी के लिए अनुपालन बोझ को कम करने और छोटे अपराधों के अपराधीकरण पर चार अतिरिक्त विषयगत सत्र होंगे; केंद्र - योजनाओं के संतृप्ति कवरेज को प्राप्त करने और अंतिम मील वितरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य समन्वय; पीएम गति शक्ति के माध्यम से भारत के बुनियादी ढांचे को बदलना; और क्षमता निर्माणः आईजीओटी का कार्यान्वयन - मिशन कर्मयोगी। सम्मेलन के परिणामों पर बाद में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और प्रशासक मौजूद रहेंगे, ताकि उच्चतम स्तर पर व्यापक सहमति के साथ एक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जा सके।

भाजपा के दबाव में ईडी गांधी परिवार पर कर रही है कार्रवाई : गहलोत

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भाजपा के दबाव में गांधी परिवार को निशाना बना रही है। गहलोत ने मंगलवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कानून सबके लिए बराबर है, लेकिन टार्गेट बनाकर आज सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक ईडी पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के अंदर आठ साल से यही तमाशा हो रहा है। गहलोत ने कह कि वर्ष 2015 के में ईडी के जो जॉइंट डायरेक्टर थे या जो आईओ थे उन्होंने सोनिया गांधी के बारे में, राहुल गांधी के बारे जांच के बाद कुछ तथ्य न मिलने पर केस क्लोज कर दिया था। गहलोत ने कहा कि जब वर्ष 2015 में केस क्लोज हो चुका था, उसके बाद में केस को पुनः खोला गया है और टार्गेट करके गांधी परिवार को परेशान करने के लिए इस प्रकार की हरकत की गई है। गहलोत ने कहा कि कल उन्होंने ईडी के डायरेक्टर से, सीबीआई के डायरेक्टर से,सीबीडीटी के चेयरमैन, इनकम टैक्स के चेयरमैन से मिलने का समय मांगा था। वह मिलकर उनसे पूछना चाहते हैं कि एजेंसियां किसके दबाव में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन संगठनों के बारे में ईडी राहुल गांधी से पूछताछ कर रही है। वह संगठन नॉन-प्रॉफिटेबल संगठन हैं, एक रुपया भी सोनिया गांधी राहुल गांधी चाहें तो भी घर नहीं ले जा सकते हैं। क्योंकि कानून कहता है कि यह नॉन-प्रॉफिटेबल संगठन से कोई भी डायरेक्टर लाभांश नहीं ले सकता है।

प्रधानमंत्री ने मुंबई राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का किया उद्घाटन

मुंबई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मुंबई राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन किया। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। जल भूषण 1885 से महाराष्ट्र के राज्यपाल का आधिकारिक निवास रहा है। इस भवन का जीवनकाल पूरा करने पर, इसे ध्वस्त कर दिया गया और इसके स्थान पर एक नया भवन स्वीकृत किया गया। नए भवन की आधारशिला अगस्त, 2019 में राष्ट्रपति द्वारा रखी गई थी। पुराने भवन की सभी विशिष्ट विशेषताओं को नवनिर्मित भवन में संरक्षित किया गया है। 2016 में, महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल विद्यासागर राव को राजभवन में एक बंकर मिला था। इसका उपयोग पहले अंग्रेजों द्वारा हथियारों और गोला-बारूद के गुप्त भंडारण के रूप में किया जाता था। बंकर को 2019 में पुनर्निर्मित किया गया था। महाराष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के योगदान को यादगार बनाने के लिए गैलरी को बंकर में अपनी तरह के एक संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है। यह वासुदेव बलवंत फड़के, चापेकर भाइयों, सावरकर भाइयों, मैडम भीकाजी कामा, वीबी गोगेट, नौसेना विद्रोह, 1946 में अन्य लोगों के योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर 18 जून को आएगा फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लांड्रिंग के आरोपित और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज गीतांजलि गोयल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट 18 जून को जमानत अर्जी पर फैसला सुनाएगा। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से वकील एन हरिहरन ने कहा कि सत्येंद्र जैन के खिलाफ जो भी साक्ष्य हैं, वे दस्तावेजी हैं और उसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन दिल्ली सरकार के मंत्री हैं और उनके भागने की कोई संभावना नहीं है। किसी भी गवाह ने कभी भी सत्येंद्र जैन से अपने पर किसी भी खतरे की आशंका नहीं जताई है। हरिहरन ने कहा कि सत्येंद्र जैन जांच में सहयोग कर रहे हैं। वे ईडी के बुलावे पर सात बार पेश हो चुके हैं, इसलिए उन्हें जमानत दी जाए। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि ईडी लाला शेर सिंह ट्रस्ट से पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है। दो या तीन लोगों ने कोलकाता में तीन-चार एकामोडेशन एंट्री की है। उन्होंने अपने अकाउंटेंट जेपी मोहता के दफ्तर में बैठक कर कहा कि हवाला के जरिये रकम जाएगी। 17 करोड़ रुपये की एकामोडेशन एंट्री का पता चला है। अभी जांच में और पता चलेगा। कोई भी मुफ्त में एकामोडेशन एंट्री नहीं करता है। कमीशन लिया जाता है। इसलिए अगर जमानत दी गई तो साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की संभावना है। 13 जून को कोर्ट ने सत्येन्द्र जैन को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सत्येन्द्र जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। जैन की पेशी के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि कैश दिल्ली में दिया गया। ये कैश कोलकाता में हवाला के जरिये एंट्री ऑपरेटर्स तक पहुंचा। ये एंट्री ऑपरेटर्स कंपनियों में शेयर खरीद कर निवेश करते थे। ये फर्जी कंपनियां थीं। इन फर्जी कंपनियों में निवेश कर काला धन को सफेद बनाया जा रहा था। पैसों से जमीन खरीदने का काम किया गया। प्रयास नामक एनजीओ के जरिये कृषि भूमि खरीदी गई। मेहता ने कहा था कि ईडी ने उन्हें जांच के लिए बुलाया लेकिन उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया। मेहता ने कहा था कि हमें ये पता लगाना है कि पैसा किसी और का लगा था कि नहीं, इस

● ....शेष भाग पेज 3 पर

राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक सपा, एक बसपा और एक निर्दलीय विधायक भाजपा में शामिल

भोपाल। राष्ट्रपति चुनाव से पूर्व मध्य प्रदेश में भाजपा विधायकों का कुनबा बढ़ गया है। एक निर्दलीय और दो अन्य पार्टियों के विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बसपा विधायक संजीव सिंह कुशवाह, सपा विधायक राजेश शुक्ला (बबलू) और निर्दलीय विधायक विक्रम सिंह राणा को भाजपा को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति चुनाव के मतदान के लिए बुधवार को अधिसूचना जारी होगी। इससे पहले मप्र में छतरपुर जिले की बिजावर विधानसभा सीट से सपा विधायक राजेश कुमार शुक्ला और भिंड से बसपा विधायक संजीव सिंह कुशवाहा तथा आगर मालवा की सुसनेर सीट से निर्दलीय विधायक विक्रम सिंह राणा ने मंगलवार को सुबह भाजपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ले ली। राष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा सदस्य और राज्यों की विधानसभा के सदस्य भाग लेते हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले तीनों विधायकों के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को लाभ मिलेगा और संख्या बल के आधार पर भाजपा को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज भाजपा में सम्मिलित हुए विधायक संजीव कुशवाह, विधायक राजेश शुक्ला और विधायक राणा विक्रम सिंह का भारतीय जनता पार्टी परिवार में हृदय से स्वागत करता हूं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन और प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व

● ....शेष भाग पेज 3 पर

दिल्ली में ईडी दफ्तर पहुंचे राहुल कोलकाता में अभिषेक बनर्जी की पत्नी से सीबीआई ने पूछे सवाल

कोलकाता (ईएमएस)। एक तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से ईडी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन नेशनल हेराल्ड केस में पूछताछ कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ कोलकाता में सीबीआई रुजिरा बनर्जी के घर पहुंची है। रुजिरा बनर्जी से कोयला घोटाले के मामले में सीबीआई पूछताछ के लिए पहुंची है। रुजिरा बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की पत्नी हैं। इस केस में रुजिरा से पहली बार सीबीआई ने फरवरी 2021 में पूछताछ की थी। तब सीबीआई ने लगातार 4 घंटे तक उनके घर पर बात की थी। यह वह मौका था, जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। ऐसे में इसे टीएमसी ने चुनावी मुद्दा भी बनाया था। सीबीआई के अधिकारी ने रुजिरा बनर्जी से पूछताछ को लेकर कहा, 'हमें इस केस से जुड़ी कुछ नई जानकारियां मिली है। इसलिए हमें रुजिरा बनर्जी से एक बार फिर से पूछताछ करने की जरूरत थी। 8 अफसरों की टीम हरीश चटर्जी रोड पर स्थित अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची थी। ममता बनर्जी लगातार केंद्र सरकार पर सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों के बेजा इस्तेमाल का आरोप लगाती रही हैं। यही नहीं राहुल गांधी से पूछताछ को लेकर भी टीएमसी ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि जब हमारे नेताओं पर रेड डाली गईं और पूछताछ हुई तो कांग्रेस चुप थी। गौरतलब है कि ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पार्टी के विस्तार का काम देख रहे हैं। गोवा, त्रिपुरा जैसे राज्यों में पार्टी के विस्तार के प्रयासों से वह जुड़े रहे हैं। आज ही वह त्रिपुरा जाने वाले हैं, जहां वह 23 जून को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार करेंगे। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा समेत करीब 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है, जिनमें अगरतला, बारडोवाली, सुरमा और जुबराजनगर शामिल हैं। गौरतलब है कि टीएमसी त्रिपुरा में खासी ऐक्टिव है और राज्य में मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल कर चुकी है।

सेना का मिशन अग्निपथ: युवाओं को मिलेगी चार साल की नौकरी, 6.92 लाख का सालाना पैकेज

- सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने तीनों सेनाओं के लिए 'अग्निपथ' योजना को मंजूरी दी

- उच्च-तकनीकी वातावरण में ट्रेनिंग देने के बाद पाकिस्तान-चीन सीमा पर तैनात किये जायेंगे

- 'अग्निवीरों' को केन्द्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों की नौकरियों में दी जाएगी प्राथमिकता

नई दिल्ली। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने तीनों सेनाओं के लिए मंगलवार को ऐतिहासिक 'अग्निपथ' योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत भारतीय युवाओं को 'अग्निवीर' के रूप में चार साल के लिए सशस्त्र सेवाओं में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। सेनाओं की ट्रेनिंग देने के बाद इन्हें पाकिस्तान-चीन सीमा पर तैनात किया जायेगा। सशस्त्र सेनाओं से निकलने के बाद इन 'अग्निवीरों' को केंद्र सरकार के मंत्रालयों और राज्य सरकारों की नौकरियों में प्राथमिकता दी जायेगी। नेशनल मीडिया सेंटर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'अग्निपथ' योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रक्षा मंत्रालय की यह स्कीम युवाओं को देश सेवा का मौका देने के साथ ही उन्हें तकनीकी तौर पर भी सुधारने में मदद करेगी। इस योजना से विभिन्न क्षेत्रों में नए कौशल के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। 'अग्निपथ' योजना के तहत सशस्त्र बलों का युवा प्रोफाइल तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। यह स्कीम बनाने के लिए हमने अन्य देशों के मॉडल का अध्ययन किया है लेकिन देश के युवाओं के हित में निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने दूसरों की नकल करने की कोशिश नहीं की है। जो नकल करके अपनी अकल बढ़ाने की कोशिश करते हैं, उनकी शक्ल खराब हो जाती है। सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने बताया कि हम युवाओं को 'अग्निवीर' के रूप में छोटी अवधि की सैन्य सेवा का मौका दे रहे हैं। आज औसत आयु लगभग 32 वर्ष है, लेकिन आने वाले 6-7 वर्षों में यह और कम होकर 26 वर्ष हो जाएगी। देश के युवाओं की क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए उन्हें भविष्य का सैनिक बनाने की आवश्यकता है। 'अग्निवीर' भविष्य के लिए तैयार इस सैनिक का हिस्सा होगा। अग्निवीर भारत के युवा रक्षक होंगे। 4 साल हमारे साथ रहने के बाद अग्निवीर का बायोडाटा बहुत ही अनोखा होगा। वह हमारे साथ बिताए गए चार साल के बाद देश के अन्य युवाओं की भीड़ से अलग होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने बताया कि अग्निवीरों का चयन अखिल भारतीय मॉडल के आधार पर योग्यता और चयन प्रक्रिया पर होगा। देश के 17.5 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को सशस्त्र बलों की सेवा करने का मौका दिया जायेगा। इन्हें 4.76 लाख से 6.92 लाख रुपये का सालाना पैकेज दिया जाएगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि वायु सेना में तेजी से प्रौद्योगिकी आधारित वातावरण बदल रहा है, जिसके अनुकूल अग्निवीरों को उच्च-तकनीकी वातावरण में प्रशिक्षित किया जायेगा। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायु सेना युवाओं की योग्यता और उनके दृष्टिकोण का आकलन करेगी। अग्निवीरों को भारतीय वायुसेना में वायु योद्धा के रूप में शामिल होने के लिए आवश्यक विमानन और गैर-विमानन कौशल में विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि वायु सेना विमानन और हथियारों में 'अग्निवीर' के लिए प्रशिक्षण और प्रदर्शन की एक विस्तृत श्रृंखला मुहैया कराएगी। उन्होंने भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं को राष्ट्र की सेवा करने और गौरव के साथ आकाश को छूने के इस अनूठे अवसर का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने

● ....शेष भाग पेज 3 पर

DELHI CRIME 15 june 2022:Layout 1 6/14/2022 6:32 PM Page 2

सम्पादकीय

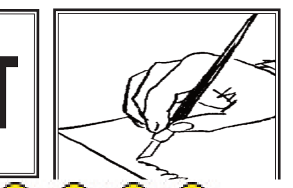

प्रधानमंत्री मोदी की शैली ने लोगों का मन मोहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हाल ही में केन्द्र में सत्ता संभाले आठ साल पूरे हुए हैं। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ 30 मई, 2019 को प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद ली थी। इन आठ वर्षों में पीएम मोदी की अगुवाई में केन्द्र सरकार ने अपना सर्वस्व सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक आसानी से पहुंचे और उन्हें हर योजना के बारे में पूरी जानकारी हो। उन्होंने अपनी राष्ट्र प्रथम नीति के तहत सत्ता को सेवा का जरिया मानते हुए गरीबों और वंचितों के लिए अथक प्रयास किए जिससे जनमानस का लोकतंत्र में एक अलग ही विश्वास पैदा हुआ है और वे देश की ऐतिहासिक विकास की यात्रा में सहभागी बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और सबल नेतृत्व से देश को न सिर्फ राजनीतिक मोर्चे पर एक नई स्थिरता दी है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मोर्चों पर भी एक नए विमर्श को जन्म दिया है।उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जन सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना, अटल पेंशन योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंजाम दिया है।इससे लोगों में नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है। आज उनकी छवि भारतीय इतिहास में सबसे मजबूत और निडर प्रधानमंत्री के रूप होती है। ईमानदारी, कठोर परिश्रम और कठोर फैसले लेना उन्हें एक बेहद ही करिश्माई नेता बनाती है। सरकारें योजनाएं पहले भी शुरू करती थीं। लेकिन भ्रष्ट रवैये के कारण जरूरतमतमंदों को इसका कोई खास लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि लोगों के इसी आक्रोश ने 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया और उन्होंने अपने प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को चुना। उनके कुशल नेतृत्व को इस विमर्श से समझा जा सकता है कि आज देश के पास संसाधन भी वही हैं और अधिकारी भी वही हैं। लेकिन नतीजे काफी सार्थक आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अधिकारी हों या लाभार्थी, वह आनन-फानन में किसी से भी संवाद कर लेते हैं। इस वजह से पूरी सरकारी मशीनरी में भ्रष्टाचार को लेकर भय का माहौल बना है। प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी खासियत जनता से सीधा संवाद करना है। बात चाहे नोटबंदी की हो या जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की या कोरोना महामारी के दौरान परिस्थितियों को संभालने की। उन्होंने मुश्किल हालातों में अपनी संवाद शैली से हमेशा लोगों का विश्वास जीता है और उन्हें अपने प्रयास में जनभागीदारी के लिए प्रेरित किया है। आजादी के सात दशक के बाद भी देश के करोड़ों लोगों के पास बैंकिंग की सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बुनियादी समस्या को सुलझाने के लिए उन्होंने जन-धन योजना की शुरूआत की और उसे आधार और मोबाइल के जरिए नई ऊंचाई प्रदान की। इस पहल ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई और अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल रहा है। इसी कड़ी में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उल्लेख करना भी जरूरी है, जिसने देश में जनसंवाद को बढ़ावा देने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस योजना की शुरूआत जुलाई 2015 में हुई थी। इसका लक्ष्य देश में बेहद ही सुरक्षित और स्थिर डिजिटल ढांचे को विकसित करते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना और जनसामान्य को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी कई अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी मजबूती दी है और तकनीक के माध्यम से सरकार में सुधार के लिए दरवाजे खोले हैं। इस योजना ने लोगों को डिजिटल भुगतान, ई-केवाईसीए, डिजी लॉकर, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर प्रणाली का विकल्प देते हुए पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर ही बदल डाली है। बेशक इस राह में डिजिटल निरक्षरता एक बड़ी समस्या है। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वैज्ञानिक सोच और समन्वय के साथ इस समस्या को भी आसानी से हल कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाते हुए कामकाज में पारदर्शिता और तेजी तो लाए ही हैं, साथ ही भारतीय परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग, आयुर्वेद संग्रहालय आदि के महत्व को भी प्रोत्साहित करने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं।

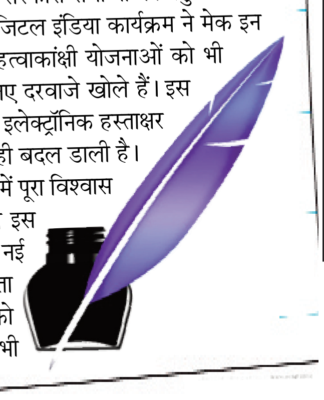

क्यों होता है अवैज्ञानिक तरीके से अनाज का भंडारण

लेखक- ऋतुपर्ण दवे /ईएमएस

देश में भरपूर अनाज उग रहा है। सुनने में अच्छा लगता है। विडंबना देखिए इसे सुरक्षित रखा जाना क्या कभी किसी की प्राथमिकता में रहा? ऐसा दिखा नहीं! माना यह मानसूनी महीना है। लेकिन अप्रैल और मई में जहां-तहां खुले आसमान तले रखा लाखों टन गेहूं बेमौसम बारिश से भीग गया। इसकी सही मात्रा का अंदाजा मुश्किल है। बस यही खेल है। इसे समझना होगा। देशभर से मिली तबाही की तस्वीरों, वीडियो, समाचारों की कतरनों, क्लिपिंग्स सबने देखीं। लेकिन न तब और न अब बारिश में अनाज को खुले में रखने और भीगने से बचा पाना रुक पाया। मानसून धीरे-धीरे बांहें फैला रहा है। लेकिन खुले में रखा अनाज कहां हट रहा है? बस यही वो तिलिस्म है जो किसानों की मेहनत पर पानी फेरता है और हम हैं कि सिवाय बेचारे सरकारी सिस्टम को क्लीनचिट देता देख संतोष करने के और कुछ कर भी नहीं पाते। जगजाहिर है कि न तो तूफान, न मौसम-बेमौसम बारिश रुकी है, न रुकेगी, न कोई रोक पाएगा। रुक सकता है तो खुले आसमान के नीचे पॉलिथिन की पन्नियों में ढककर भंडारण की बदहाल और भ्रष्ट व्यवस्था। यदि ऐसा हुआ तो सही खरीद, भंडारण के आंकड़ों का हेरफेर कैसे हो पाएगा? आंकड़ों की बाजीगीरी बेनकाब नहीं हो जाएगी? एकाएक बारिश आई, इतना अनाज भीग गया, सड़ गया, बह गया का वो अकाट्य तर्क कहां जाएगा जिसका न कोई इलाज था न है न होगा! यह मानसून का दौर है लेकिन गर्मी में मौसम बिगड़ना, बारिश हो जाना अब बेहद आम है। बीते कुछ दशकों से तमाम पर्यावरणनीय विक्षोभ तस्दीक भी करते हैं। सड़ांध मारती अनाज भंडारण व्यवस्था या लीपापोती का जुगाड़ जो भी कहें, हर बार हजारों मीट्रिक टन अनाज खुले आसमान के नीचे भीगकर ऐसा खराब होता है कि पशुओं का निवाला तक नहीं बन पाता। जिम्मेदार बड़ी ही आसानी से सारा दोष बारिश के मत्थे मढ़ बच या बचाए जाते हैं जो खुद बुलाई आपदा के वास्तविक दोषी हैं। हां, मिट्टी में मिलती है तो किसान की मेहनत जिसने बड़ी लगन से फसल उगाई और मंडियों तक पहुंचाई। हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। सैंतालीस प्रतिशत भू-भाग में खेती होती है और सत्तर प्रतिशत आबादी इसी पर निर्भर है। किसान अच्छी फसल की उम्मीद से मेहनत कर सफल होता है। इसे सहेजने के लिए खुले आसमान के नीचे भंडारण होता है। खरीद-फरोख्त का असली-नकली सच यहीं छुपा होता है जो बारिश में अनाज भीगते ही दफन हो जाता है और शुरू हो जाती है आंकड़ों की नई बाजीगीरी। बदल जाती है फाइलों और नोटशीट की भाषा। पहले फसलों की खुले आसमान के नीचे सुरक्षा की कोशिशों का जिक्र था जो लाखों खर्च के बावजूद नीली, पीली पॉलिथिन की मोटी तिरपाल नहीं बच पाई। अब सरकारी तंत्र की नई और बेचारगी से भरी कवायद है, जिसमें सड़े अनाज और बेजा खर्च का नया बही-खाता होता है। विचारणीय यह है कि भारत में अवैज्ञानिक तरीकों से भंडारण का प्रचलन खुद सरकारें कराती हैं। खुले आसमान के नीचे कभी बोरों में या कभी यूं ही ढेरों में पड़ा अनाज प्रायः सभी ने देखा है। आंकड़े बताते हैं कि वार्षिक भंडारण हानि लगभग 7000 करोड़ रुपये की है जिसमें 14 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद होता है। हर वर्ष भारत में कुल गेहूं उत्पादन का करीब दो करोड़ टन किसी न किसी तरह नष्ट हो जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक देश में करीब 93 हजार करोड़ रुपये का अनाज बर्बाद होता है। भारतीय खाद्य निगम भी भंडारण में अक्षम है। न तो गोदाम बनाने में तेजी आई न सहेजने की कोई पुख्ता व्यवस्था हो सकी। बड़ी विडंबना देखिए कि तमाम सरकारी संकल्पों के बावजूद अनाज भंडारण में न रुचि ली गई और न काम में गति आई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-21 का बजट पेश करते समय किसानों के लिए 16 सूत्री फॉमूर्ले की घोषणा की थी। इसमें वेयर हाउस और कोल्ड स्टोरेज की चर्चा थी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा नए-नए वेयर हाउस बनाने और संख्या बढ़ाने के लिए पीपीपी मॉडल का जिक्र था। ब्लॉक स्तर पर भंडारण केंद्र बनाए जाने प्रस्तावित थे। लेकिन जमीन पर कुछ दिखा नहीं। फरवरी 2021 में एक संसदीय प्रश्नोत्तर में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम ने 25 लाख मीट्रिक टन साइलो (थोक भंडारण का आधुनिक, सुरक्षित, यांत्रीकृत तरीका) क्षमता प्रदान की है। अडानी लॉजिस्टिक्स की क्षमता 4 लाख मीट्रिक टन (कुल का 16 फीसदी) जबकि राष्ट्रीय संपार्श्विक प्रबंधन सेवाओं यानी एनसीएमएसएल (नेशनल कोलेटरल मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड) की क्षमता 7 लाख मीट्रिक टन (कुल का 28 फीसदी) है। जाहिर है पैदावार के मुकाबले ये बेहद कम है ऊपर से दो ही प्लेयर हैं। ऐसे में खुले में गेहूं का सड़ना नीयति नहीं तो और क्या है? देश में 249 स्थानों पर साइलो (थोक भंडारण का अत्यधिक यंत्रीकृत और आधुनिक तरीका) बनाने की योजना थी ताकि 12000 करोड़ रुपये के गेहूं का संग्रहण किया जा सके। लेकिन गति बेहद सुस्त है। शायद ऐसी योजनाओं की विफलता के पीछे दस्तावेजों के पुलिन्दों के साथ बेहद कठिन खानापूर्ति है जो साधारण लोगों के बस की बात नहीं। उधर हर साल, हर मौसम में अनाज का खुले में सड़ना नहीं रुक रहा है। एक बात और मौजूदा ज्यादातर वेयर हाउस या साइलो किनके हैं, देखते ही माजरा समझ आने लगता है। यदि खास भंडारण गृहों में आम किसान की पूछ परख होती तो क्या ये स्थिति होती? सवाल में ही जवाब छुपा है। आखिर लुटा-पिटा भोला-भाला किसान उसके लिए आसान सरकारी संग्रहण या खरीदी केंद्रों पर ही टूटता है। स्वाभाविक है कि भंडारण क्षमता से ज्यादा स्टॉक होगा जिससे जगह की कमी बताकर खुले में रखने का भ्रष्ट खेल खूब फलेगा, फूलेगा और बाद में एकाएक आई बारिश से सड़े अनाज की व्यथा-कथा और रहस्यों के बीच सरकारी धन के नाश और खुद के विकास का खेल हो सकेगा? सरकारी भंडारण गृहों के बनाने पर तेजी से काम किया जाता जिससे एक बार के ही निवेश से 100 साल से भी ज्यादा ये काम आ पाते और आपदा में राहत का पिटारा बनते। यदि हिसाब लगाया जाए तो इनकी लागत खाद्यान्न भीगने, सड़ने या कीट, पक्षियों से होनी वाली एक साल की क्षति से कम बैठेगी। ऐसे में क्या मुनासिब नहीं है कि बरबाद हो रहे उपजे अनाज को बचाने के लिए जरूरत के मुताबिक बड़े-बड़े व अत्याधुनिक संसाधनों से लैस गोदाम बनते? अमूमन पता होता नहीं होता है कि न जाने कब बारिश हो जाए, कब आंधी-तूफान आ जाए, कब हवा का रुख बदल जाए और कब नम-गरम हवाएं एकाएक बारिश में तब्दील हो जाएं। मौसम तो बेईमान है लेकिन उससे जानबूझ कर अनजान सिस्टम का कितना ईमान-धर्म है? सवाल फिर वही कि बेहद साधारण सी इस कोशिश के लिए गंभीर प्रयास कब होंगे? बड़े-बड़े भंडारण और शीतगृहों के मालिक भरपूर सरकारी छूट, मनमाफिक किराया और तमाम नामी-बेनामी सुविधाएं लेने वाले रसूखदारों से भला किसे डर नहीं लगता? लगता नहीं कि अनाज उगाता किसान और अनाज सड़ाती लालफीताशाही व्यवस्था ही हमारा सच है? क्या दोषियों की मंशा पर पानी फिर पाएगा या अनाज भिगाने का अंतहीन सिलसिला ही जारी रहेगा? काश किसी के पास होता इसका जवाब..!

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पैगंबर: ढाका दिखाए रास्ता

पैगबंर-विवाद को लेकर भारत में अभी प्रदर्शन, जुलूस और पत्थरबाजी का दौर चल रहा है और दोषियों को दंडित करने के नाम पर उनकी अवैध संपत्तियों को भी ढहाया जा रहा है लेकिन क्या हमारे लोग कुछ मुस्लिम देशों के आचरण से कुछ सीखने की कोशिश करेंगे? हमारे पड़ौसी बांग्लादेश ने अन्य कुछ मुस्लिम देशों की तरह भारत की आलोचना में एक शब्द भी नहीं कहा। उसके सूचना मंत्री डॉ. हसन महमूद ने ढाका में भारतीय पत्रकारों से कहा कि पैगंबर-विवाद भारत का आंतरिक मामला है। उसमें बांग्लादेश को टांग अड़ाने की जरुरत क्या है? जहां तक पैगंबर की प्रतिष्ठा का सवाल है, उस पर उंगली उठानेवाली हर कथन की हम निंदा करते हैं लेकिन हम खुश हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने दो प्रवक्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए भारत सरकार बधाई की पात्र है। महमूद ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को इस मुद्दे पर भड़काना हमारा काम नहीं है (जैसा कि कुछ अन्य मुस्लिम देश कर रहे हैं)! उन्होंने यह एलान भी किया कि बांग्लादेश में इस मुद्दे को लेकर जो भी शांति और व्यवस्था भंग करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के कई विरोधी नेता बांग्ला जनता को भड़काने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस मुद्दे के बहाने वे हसीना सरकार पर अपनी भड़ास निकालना चाहते हैं लेकिन सरकार उनके साथ बड़ी सख्ती से पेश आ रही है। यही काम अब कुवैत की सरकार ने भी शुरू कर दिया है। पैगंबर मसले पर कुवैत में रहनेवाले भारतीय, पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान ज्यादा चूं चपड़ कर रहे हैं। ऐसे में कुवैत की सरकार ने घोषणा कर दी है कि जो भी प्रवासी नागरिक इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाया गया, उसे हमेशा के लिए देश-निकाला दे दिया जाएगा। मुझे विश्वास है कि लगभग सभी इस्लामी राष्ट्र इस दृढ़ता का परिचय देंगे। हां, पाकिस्तान इसका अपवाद हो सकता है, क्योंकि वहां के सत्तारुढ़ और विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर एक-दूसरे को नीचा दिखाने में जुट सकते हैं। उन्होंने संसद में भारत-विरोधी प्रस्ताव भी पारित करवा लिया है। लेकिन बांग्लादेश ने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हर दबाव के आगे सीना तान रखा है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने लाख कोशिश की कि यह मामला संयुक्तराष्ट्र महासभा में घसीटा जाए लेकिन आजकल उसके अध्यक्ष मालदीव के अब्दुल्ला शाहिद हैं।

भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने विज्ञापनों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गाइडलाइन के मुताबिक अब भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अथॉरिटी ने सरोगेट एडवर्टाइजमेंट पर भी प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। नए दिशा निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। यदि विज्ञापनों में दी गई जानकारी प्रोडक्ट में नहीं पाई जाती है, तो उन विज्ञापनों को भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। जो विज्ञापन उनके डिस्क्लेमर से भिन्न होते हैं, उन्हें भी भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। इसके अलावा, यदि कोई सेलिब्रिटी किसी विज्ञापन में कुछ दावा कर रहा है और वह सही नहीं पाया जाता है तो वह विज्ञापन भी भ्रामक विज्ञापन श्रेणी के अंतर्गत आता है। पहले समझते हैं कि सरोगेट विज्ञापन क्या होता है? दरअसल अक्सर टीवी पर किसी शराब, तंबाकू या ऐसे ही किसी प्रोडक्ट का ऐड देखा होगा, जिसमें प्रोडक्ट के बारे में सीधे न बताते हुए उसे किसी दूसरे ऐसे ही प्रोडक्ट या पूरी तरह अलग प्रोडक्ट के तौर पर दिखाया जाता है।

जैसे शराब को अक्सर सोडे के तौर पर दिखाया जाता है। गुटखा के प्रचार के लिए इलायची का सहारा लिया जाता है। खानपान हो, प्रसाधन, चिकित्सा, घरेलू साजो-सामान या जीवन से जुड़ी दूसरी चीजें, मीडिया में उनका बढ़-चढ़ कर विज्ञापन किया जाता है। हर उत्पाद गुणवत्ता में अपने को दूसरे से बेहतर बताता है। इसके लिए नामचीन हस्तियों की मदद ली जाती है, ताकि आम उपभोक्ता का उत्पाद संबंधी दावों पर भरोसा मजबूत हो। मगर अनेक परीक्षणों और जांचों में पाया गया कि विज्ञापन में किए गए दावे हकीकत से काफी दूर होते हैं। कई बार उन वस्तुओं के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव भी देखे गए हैं। इसी के मद्देनजर उपभोक्ता कानून में बदलाव किया गया। अब भ्रामक विज्ञापन देने वाली कंपनियों के साथ-साथ विज्ञापन करने वाली हस्तियों को भी दंड का भागी बनाया जा सकता है। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के इस दौर में विज्ञापन का प्रभाव समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में भ्रामक विज्ञापन भी धड़ल्ले से दिखाए जा रहे हैं। यही वजह है कि शराब-गुटखा का सेवन करने, छरहरा और आकर्षक बनाने, यौन शक्ति बढ़ाने जैसे भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आ गई है। एक सर्वे के मुताबिक, देश में एक आम आदमी रोजाना करीब 3 घंटे टीवी देखता है और इस दौरान करीब 600 विज्ञापनों को चाहे-अनचाहे देख डालता है। इसके अलावा पत्रिकाओं, अखबारों, सिनेमा, इंटरनेट के विविध जरियों और सड़क किनारे लगे बड़े-बड़े होर्डिंग्स के माध्यम से भी सैकड़ों विज्ञापन उसकी आंखों के सामने से गुजरते हैं। वे उसके जेहन में कहीं जाकर अटक जाते हैं, जिन्हें कोई मशहूर हस्ती, जैसे फिल्म अभिनेता और मशहूर खिलाड़ी किसी बड़े दावे के साथ पेश कर रहा होता है। यही भरोसा विभिन्न उत्पाद बनाने वाली कंपनियां तलाश करती हैं और इसी के लिए वे हस्तियों को अपने विज्ञापनों में लाने के लिए करोड़ों खर्च करती हैं। देश में विज्ञापनों पर खर्च हो रहे सालाना 45 हजार करोड़ रुपए में से ज्यादातर हिस्सा ये मशहूर हस्ती ऐसे दावों के बहाने ले जाती हैं, पर क्या हो अगर वे दावे गलत निकल जाएं? क्या सितारे या मशहूर हस्तियां तब इस संबंध में अपनी कोई जिम्मेदारी वहन करेंगी? अमेरिका में फेडरल कंज्यूमर एक्ट ऐसे भ्रामक विज्ञापनों के लिए संबंधित हस्तियों को भी दोषी मानकर कार्रवाई की इजाजत देता है। कुछ ऐसे ही कानून चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में भी हैं, जहां गुमराह करने वाले या धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों में दिखने वाली हस्तियां भी कानून के दायरे में आती हैं और दोष साबित होने पर सजा की पात्र होती हैं। इसलिए भारत में भी ऐसा किया जाना जरूरी है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें?

इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा। आप जिस भी क्रिया में दीक्षित हुए हैं, अगर इस समय वह करना शुरू कर देंगे, तो आपको इसका सर्वश्रेष्ठ फल मिलेगा। हां, यह समय किताब पढ़ कर सीखी हुई क्रिया करने का नहीं है। आपके भीतर पड़ा वह बीज इस समय विशेष सहयोग मिलने से अपुंरित होने लगेगा या दूसरे समय की अपेक्षा ज्यादा तेजी से फूटेगा। यह समय सिर्फ दीक्षित हुए लोगों के लिए ही अनुकूल है। अगर आप दीक्षित नहीं है तो फिर 3.40 हो या 6.40 या फिर 7.4- कोई खास फर्प नहीं पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए संध्या काल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। यह एक तरह का संधि काल होता है।जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.40 से लेकर अगले 12 से 20 निट तक। संध्या का मतलब है संप्रमण या एक स्थिति से दूसरी में जाना। सूर्योदय से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद या सूर्यास्त से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद का समय संध्या कहलाता है। ऐसा ही वक्ति दोपहर बारह बजे और आधी रात को आता है, लेकिन ये दोनों संध्याएं अलग प्रकृति की होती है। दिन में चालीस मिनट की ये चार अवधियां संध्या काल कहलाती हैं। इस संध्या काल में आपका सिस्टम एक खास तरह के संप्रमण से गुजरता है। इस समय में मानव शरीर में मौजूद दो प्रमुख नाडिड्ढों - इड़ा और पिंगला के बीच एक खास तरह का संतुलन कायम होता है। सुबह शाम की ये दो संध्याएं गैर दीक्षित लोगों के लिए ठीक हैं। जबकि जो लोग र्शक्तिशाली ढंग से दीक्षित हुए हैं, उनके लिए 3.40 का वक्ति आदर्श है।

इस्लामी देशों का षड़यंत्र.... खतरे में खड़ा गणतंत्र....?

लेखक- ओमप्रकाश मेहता (ईएमएस)

भारतीय गणतंत्र आज करबद्ध होकर अपने आराध्य के सामने रघुपति राघव राजाराम (भजन) की एक ही पंक्ति बार-बार दोहरा रहा है.... अल्ला-ईश्वर तेरो नाम.... सबको सन्मति दे भगवान। पता नहीं हमारे शांतिप्रिय देश पर किसकी नजर लग गई, आज पूरा देश हिन्दू मुस्लिम वर्ग का कुरूक्षेत्र बन गया है, मुस्लिम देशों की साजिश यहां अपने खूनी रंग दिखा रही है और देश की सरकार मौन दर्शक बनी बैठी है? हमारे देश की नरेन्द्र मोदी सरकार ने पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पश्चिमी देशीय नीतियों को ही जारी रखा और रिश्तों को पहले से भी मजबूत व बेहतर बनाने का भरसक प्रयास भी किए इससे हमें यह गलतफहमी हो गई कि इस्लामी देशों की ओर से हमारे आक्रामक हिन्दू दर्शन को कोई खतरा नहीं है और न ही कोई आलोचक है, ऐसी हमारी आत्म मुग्धता की स्थिति ही हमें डुबा रही है और दुर्भाग्यवश विदेश मंत्रालय की दलीलें भी भरोसा दिलाने वाली नहीं रही है। वास्तव में आज पूरे देश की स्थिति गंभीर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गई है, भारत का कोई भी प्रमुख शहर इस विस्फोटक स्थिति से अछूता नहीं बचा है। शायद ऐसी साम्प्रदायिक स्थिति पिछले पचास वर्षों में पहली बार बन रही है, पहले मंदिर-मस्जिद काण्ड हुए, कुतुब मीनार से लेकर मथुरा तक मस्जिक में मंदिर पर विवाद चला और अब भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पैगम्बर मोहम्मद सम्बंधी आपत्तीजनक बयान ने चिंगारी का काम किया और उसी के फलस्वरूप आज पूरा देश दावानल के द्वार पर खड़ा होने को मजबूर है।

यद्यपि इस चिंगारी की जन्मदात्री नुपूर का तो कुछ नहीं बिगड़ा उसे पार्टी व प्रवक्ता पद से हटाने की औपचारिकता की गई, गिरफ्तारी का भी नाटक किया, किंतु देश में आज जो कुछ भी चल रहा है उसके लिए नुपूर से अधिक सरकार दोषी है जिसने इस स्थिति को रोकने में कोई सार्थक कदम नहीं उठाया, उल्टे वह इस मामले में चूक पर चूक करती गई, नुपूर के आपत्तीजनक बयान पर

खाड़ी देशों के गुस्से को समझने में हमारी सरकार विफल रही, इस मामले में जब तक कड़ी प्रतिक्रिया नहीं मिली तब तक हमारे विदेश मंत्रालय ने मामले में हस्तक्षेप करना जरूरी ही नहीं समझा, प्रधानमंत्री व गृहमंत्री ही नहीं विदेशमंत्री और भाजपाध्यक्ष भी इस गंभीर स्थिति पर मौन ही रहे, मस्कट और कुवैत में भाजपा के प्रेसनोट को सरकारी प्रेसनोट के तौर पर माना गया, भारत सरकार ने मुस्लिम देशुों को भरोसा दिया कि वह नुपूर शर्मा पर कड़ी कार्यवाही करेगा, किंतु पार्टी व प्रवक्ता पद से हटाने के अलावा कोई कार्यवाही नहीं की गई, विदेश मंत्रालय न तो एनडीए सरकार और न ही भाजपा सरकार बल्कि मोदी सरकार के आठ सासल पूरे होने व उपलब्धियों का ढ़िंढोरा पीटता रहा, उसने इस मसले को गंभीरता से लिया ही नहीं? और फिर आज जब पूरा देश ही दो प्रमुख वर्गों के लिए कुरूक्षेत्र बन गया है, तब भी मोदी सरकार मौन दर्शक बनी बैठी हुई है। भारत सरकार ने एक ओर जहां इस पूरी स्थिति की ओर से अपनी आँखें मूंद ली वही भारत में जो कुछ हो रहा है उसके पलटवार के रूप में इस्लामी देशों ने भी बदले स्वरूप कुछ कदम उठाये कतर के डिप्टी अमीर ने भारतीय उपराष्ट्रपति के सम्मान में दिया जाने वाला भोज निरस्त किया, अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी मानवाधिकार 2021 कंट्री रिपोर्ट में मोदी सरकार पर के सामने प्रश्नचिन्ह खड़े करके मोदी व उनकी सरकार की पूरे विश्व में बदनामी की गई। मोदी जी ने अप्रैल माह में विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक की जमकर तारीफ की थी, उन्हीं महानिदेशक महोदय ने बदले में मई में अमेरिका की इस रिपोर्ट को विश्वभर में सार्वजनिक किया, जिसमें भारत में कविड से सत्तर लाख मौतों का फर्जी आंकड़ा बताया गया था और भारत सरकार ने इस पर अपना विरोध दर्ज कराया था। इन सब उदाहरणों को देखते हुए यदि यह कहा जाए कि भारतीय विदेश मेंत्रालय खाड़ी देशों और अमेरिका जैसे कथित महाशक्ति को समझने में असफल रहा, तो कतई गलत नहीं होगा? इन्हीं सब स्थितियों के चलते आज विश्व के मुस्लिम देश भारत को आईना दिखा रहे है और हम उन्हें माकूल जवाब देने की जगह केवल मौन साधे बैठे हुए है, अब इन्ही देशों की यह साजिश है कि भारत में इतने अधिक साम्प्रदायिक संघर्ष करवा दिए जाए कि भारत को किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय आपसी सम्बंधों पर चिंतन का मौका ही नहीं मिले और भारत पूरे विश्व पटल पर एक साम्प्रदायिक देश की शक्त में नजर आने लगे, फिलहाल ये भारत विरोधी देश अपनी चालों में सफल होते नजर आ रहे है और यदि भारत सरकार का यही मौनी रवैया आगे भी जारी रहा तो हमें ये षड़यंत्रकारी देश बदनामी के शिखर पर लाकर खड़ा कर देगें।

इसलिए अब यह जरूरी हो गया है कि भारत को अपने देश में शांति बहाल करने और भारत विरोधी देशों को मुंहतोड़ जवाब देने दोनों ही मार्चों पर सक्रिय होकर मुखर होना पड़ेगा, वर्ना हम विश्व के सामने अपना मुंह दिखाने के भी काबिल नहीं रहेंगे।

DELHI CRIME 15 june 2022:Layout 1 6/14/2022 6:32 PM Page 3

अब एडवेंचर स्पोर्टस पर फोकस करेगी सरकार: मनोहर लाल

-सीएम ने रवाना किया स्कूली विद्यार्थियों का पर्वतारोही दल, अरावली की पहाड़ियों में शुरू होगी ट्रैकिंग

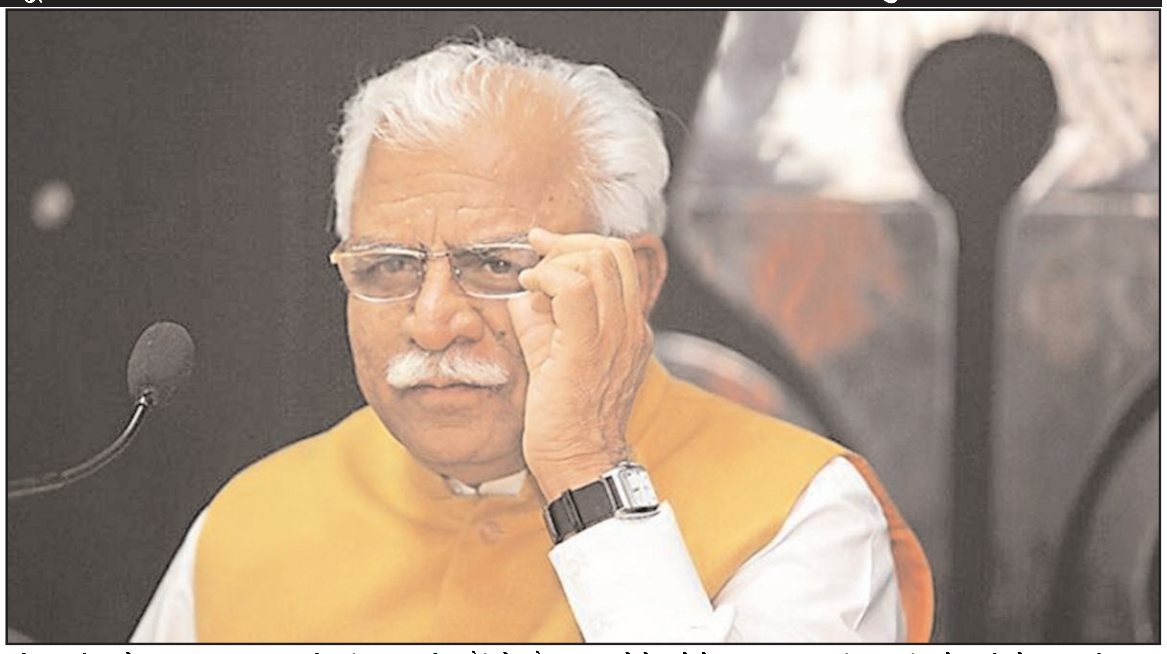

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा को खेलों की राजधानी के रूप में विकसित करने के बाद प्रदेश सरकार अब एडवेंचर स्पोर्ट्स पर फोकस करेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में एडवेंचर को भी सामान्य खेल की तर्ज पर आगे बढाने के लिए जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी, उसे पूरा किया जाएगा ताकि हमारे युवा अन्य खेलों की तरह एडवेंचर खेलों में भी अपनी धमक दिखा सकें। इसके साथ ही एडवेंचर स्पोर्ट्स के जरिए हरियाणा में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को चंडीगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा आयोजित स्कूली विद्यार्थियों के पर्वतारोहण दल को रवाना करते समय बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को ट्रेनिंग देकर एडवेंचर स्पोर्ट्स के व्यवसाय में लाया जाएगा। एक हजार युवाओं को एडवेंचर प्रशिक्षण देकर काबिल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में एडवेंचर गतिविधियों को बढावा देने के लिए मोरनी में सरदार मिल्खा सिंह क्लब की स्थापना की गई है जिससे इस क्षेत्र में कई गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसके अलावा युवाओं के लिए दक्षिणी हरियाणा में अरावली की पहाडिय़ों में भी ट्रेकिंग के रास्तों की तलाश की जा रही है ताकि दक्षिण हरियाणा में भी एडवेंचर स्ट्रक्चर बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के स्कूली विद्यार्थियों के लिए पर्वतारोहण की एक अनूठी योजना चलाई गई है। इसके तहत जो विद्यार्थी पहाड़ों की सबसे ऊंची 10 चोटियों में से किसी एक की चढ़ाई करने पर 5 लाख रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि सभी पर्वतारोही लक्ष्य साध कर आगे बढ़ें। पर्वतारोहियों को हरियाणा में सबसे ज्यादा आर्थिक सहायता दी जा रही है।

22 दिव्यांग भी करेंगे पर्वतारोहण - मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार पर्वतारोही दल में 100 विद्यार्थी भाग भाग ले रहे हैं। इनमें 22 दिव्यांग है। उन्होंने पर्वतारोहण पर जाने वाले विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों और समस्याओं के बारे में जाना। उन्होंने पर्वतारोही दल के सामने कोई कठिनाई आने पर उसे हिम्मत से पार करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कैथल की संजली, गुरूग्राम की मंजु, सोनीपत के जयदीप और श्रवण व वाणी बाधित मुस्कान व गौरव से सीधी बातचीत की और अपने स्वैच्छिक कोष से एडवेंचर क्लब को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

13 दिन के पर्वतारोहण पर खर्च होंगे 40 लाख - हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा कि 13 दिन के पर्वतारोहण कार्यक्रम पर स्कूल एजुकेशन एकेडमिक सेल की ओर से 40 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। स्कूली विद्यार्थियों ने हर क्षेत्र में अच्छे परिणाम दिए हैं। सुपर 100 कार्यक्रम की बेहतर सफलता के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस कार्यक्रम को सुपर 500 कर चार और स्थानों से शुरू कर दिया है। पर्वतारोहण दल में जाने वाले 6111 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल के भरतपुर युनाम पर्वत की चढाई करेंगे।

हरियाणा का मुख्यमंत्री निवास हुआ 'संत कबीर कुटीर'

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के निवास का नाम हुआ 'संत कबीर कुटीर'। देश के इतिहास में पहली बार किसी राज्य के मुख्यमंत्री निवास का नाम एक ऐसे महापुरुष का नाम पर रखा गया है, जिन्होंने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी बल्कि जातिगत व्यवस्था का भी सदैव विरोध किया।

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कबीर जयंती के अवसर पर अपने आवास का नाम बदलकर ह्यसंत कबीर कुट-ीरह्न रख लिया है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में दो दिन पहले रोहतक में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ऐलान किया था। देश में यह अपनी तरह का पहला मामला है जिसमें किसी मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास का नाम बदला है। रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोहतक में संत कबीर दास जी की जयंती पर आयोजित समारोह में की थी उसे आज पूरा कर दिया गया और मुख्यमंत्री निवास के बाहर ह्यसंत कबीर कुटीरह्न की पट्टिका लगा दी गई। सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को यहां जारी एक जानकारी में बताया कि मुख्यमंत्री की सोच है कि जात-पात से ऊपर उठकर समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान किया जाए। उनके नेतृत्व में हरियाणा सरकार गरीब, पीड़ित और वंचित वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि सभी जात-पात के भेदभाव को भूलकर मानव मात्र से प्रेम करने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कबीर जयंती पर जारी संदेश में कहा कि हमें अपने संतों-महापुरुषों की सदा याद कर और उनके दिखाए मार्ग पर चल कर अपना जीवन सफल बनाना चाहिए। महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर ही हमें जीवन का सही लक्ष्य हासिल होगा। इसी उद्देश्य के तहत संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना शुरू कर महान विभूतियों की शिक्षाएं जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने में अब ना हो लापरवाही: मंडलायुक्त

-गुरुग्राम के मंडलायुक्त ने 8 जिलों के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक
-भ्रष्टाचार के आरोपी को सजा दिलवाने के लिए ठोस सबूत जुटाएं, कागजी कार्यवाही में ना रहे कमी

गुरुग्राम, (हि.स.)। भ्रष्टाचार में संलिप्त या रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया कोई भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी सबूतों के अभाव में अदालतों से बरी ना हो, इस विषय को लेकर मंगलवार को मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। यह बैठक गुरुग्राम मंडल के आयुक्त राजीव रंजन द्वारा बुलाई गई थी, जिसमें गुरुग्राम मंडल तथा रोहतक मंडल के अंतर्गत पडऩे वाले 8 जिलों के उपायुक्तों, एडिशनल एसपी व डीएसपी तथा एचसीएस रैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। राजीव रंजन के पास इन दिनों रोहतक मंडल का भी दायित्व है। बैठक में गुरुग्राम मंडल के अंतर्गत पडऩे वाले जिलों जिनमें गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ तथा रेवाड़ी के अलावा रोहतक मंडल के जिलों नामतः झज्जर, रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, तथा सोनीपत के उपायुक्तों व पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। मंडल आयुक्त राजीव रंजन ने इन अधिकारियों को मुख्य रूप से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अब वाटर टाइट केस यानी केस बनाते समय किसी प्रकार की कमी नहीं छोडऩे के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर न्यायालयों में भ्रष्टाचार अधिनियम के अंतर्गत चल रहे मामलों में सबूतों व गवाहों के अभाव में अभियोग पक्ष कमजोर रह जाता है, जिसके कारण आरोपी कर्मचारी या अधिकारी न्यायालय से बरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि अब सरकार का फोकस भ्रष्टाचार को खत्म करने पर है। इसलिए भ्रष्टाचार के मामले में रेड डालते समय सबूतों में कोई कमी नहीं छोडऩी है। कोशिश करें कि सबूत साइंटिफिक या तकनीकी प्रकार के हों, जिसे साबित करने में अभियोजन पक्ष को भी कठिनाई ना हो और आरोपी को दोषी करार देते हुए न्यायालय से सजा मिले।

मंडलायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि वे भ्रष्टाचार के मामलों में पहले सुनाए जा चुके फैसलों का अध्ययन करके उनमें रही कमियों को भविष्य में दूर करें। साथ ही यह भी प्रयास रहे कि भ्रष्टाचार के मामलों में न्यायालय में ट्रायल तेजी से हो। श्री रंजन ने कहा कि न्यायालय में आरोपी के छूट जाने से जनता में सरकार की व्यवस्था के प्रति विश्वास कम होता है। सबूतों की गुणवत्ता में सुधार लाकर हमें भ्रष्टाचार के आरोपियों को सजा दिलवानी है ताकि जनता का सरकार की व्यवस्था में भरोसा कायम रहे। न्यायालय में ट्रायल धीमी गति से चलने का प्रभाव दोनों प्रकार के आरोपियों पर पड़ता है, एक वह जो रिश्वत लेने या भ्रष्टाचार का दोषी है और दूसरा वह व्यक्ति जो यह दावा करता है कि उसे फंसाया गया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला सोशल मीडिया कार्यशाला संपन्न हुई

मुसाफिरखाना ,अमेठी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला अमेठी में जिला सोशल मीडिया कार्यशाला का आयोजन आदर्श सेवा संस्थान मे किया गया जिसमें सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद पर अरुण गुरुजी व पूर्व प्रांत सोशल मीडिया संयोजक राहुल कौशल विद्यार्थी ने दीप, धूप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ' जिला अमेठी के जिला सोशल मीडिया संयोजक विनय तिवारी के नेतृत्व में कार्यशाला और फेसबुक, व्हाट्सएप ,ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, यूट्यूब, आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी। वही कार्यक्रम का संचालन प्रवीण पांडे ने किया, जिसमें काशी प्रांत के पूर्व प्रांत सह सोशल मीडिया संयोजक राहुल कौशल विद्यार्थी ने बताया कि सोशल मीडिया एक ऐसा मीडिया है, जो बाकी सारे मीडिया प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और समानांतर मीडिया से अलग है। सोशल मीडिया इंटरनेट के माध्यम से एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग कर पहुंच बना सकता है आज के दौर में सोशल मीडिया जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है जिसके बहुत सारे फीचर हैं, जैसे कि सूचनाएं प्रदान करना, मनोरंजन करना और शिक्षित करना मुख्य रूप से शामिल हैं। वही कार्यक्रम का समापन प्रांत कार्यसमिति सदस्य शैलेंद्र बहादुर यादव ने किया जिसमें कई छात्र शामिल रहे जिसमें जिला संयोजक पुष्पेंद्र विक्रम , जिला सहसंयोजक प्रियम त्रिपाठी, नंदलाल, रितेश तिवारी, रंजीत गुप्ता ,अभिषेक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ लेने को यूडीआईडी कार्ड बनवाएं दिव्यांगजन

गुरुग्राम, (हि.स.)। जिन दिव्यांगजनों ने अभी तक अपना यूडीआईडी कार्ड नहीं बनवाया है, वे जल्द से जल्द अपना कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। कार्ड में संबंधित दिव्यांग की सभी आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध होंगी। ऐसे में कार्ड बनवाने के उपरांत दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों को साथ लेकर चलने की आवश्यकता नहीं होगी। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि भविष्य में यूडीआईडी कार्ड एकमात्र ऐसा दस्तावेज होगा, जिससे दिव्यांगजन की दिव्यांगता की पहचान करते हुए उन्हें दिव्यांग से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ दिया जा सकेगा। वहीं कार्ड की सहायता से सभी दिव्यांगजनों की शारीरिक व वित्तीय प्रगति पर भी गांव, ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर नजर रखी जा सकती है। डीसी श्री यादव ने कहा कि यूडीआईडी कार्ड बनवाने के लिए दिव्यांगजन वेबसाइट पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया वर्तमान समय में गुरुग्राम जिला में 4024 दिव्यांगजन पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी जितेंद्र ढिल्लों ने बताया कि यूडीआईडी कार्ड फार्म भरने के लिए आवेदक के पास फोटो, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र व पहचान हेतु ड्राइविंग लाइसेंस अथवा राशन कार्ड, वोटर कार्ड, डोमिसाइल व आधार कार्ड आदि दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

डीएलएसए ने शुरू किया 'पक्षियों का रैन बसेरा अभियान

-नवकल्प फाउंडेशन के सहयोग से लगाए गए रैन बसेरा घोंसले

गुरुग्राम, (हि.स.)। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम ने नवकल्प फाउंडेशन के सहयोग से पक्षियों के लिए 'पक्षियों का रैन बसेराझ नामक अभियान शुरू किया है। रैन बसेरा दाना-पानी की व्यवस्था के साथ है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ललिता पटवर्धन ने बताया कि जिस प्रकार गर्मी बढ़ती जा रही है और इसका सबसे ज्यादा असर पक्षियों पर हो रहा है। पेड़ों के अभाव में उनके लिए रैन बसेरों की भी कमी आ गई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए नवकल्प फाउंडेशन के फाउंडर अनिल आर्य प्राधिकरण के सहयोग से पक्षियों के लिए दाना पानी के साथ घोंसलों को तैयार करवाया है। इसमें दो अलग मिट्टी के बर्तन हैं। एक बर्तन दाना रखने के लिए और एक पानी के लिए और उनके रहने के लिए भी व्यवस्था है। ये बर्तन और घोंसले बनाने वालों का कोरोना में रोजगार खत्म हो गया था। इस मुहिम के चलते उनको भी रोजगार का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि बढ़ती गर्मी के चलते दिन प्रतिदिन घोंसलों की मांग बढ़ती जा रही है जो रुकने का नाम नहीं ले रही है। जिला कोर्ट में भी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम के फ्रंट ऑफिस के पास एक घोंसले को लगाया गया है।

लोगों को प्रोत्साहित किया गया है कि वो दाना पानी डालते रहें और पक्षियों की सेवा करे। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के को-ओप्टेड मेम्बर दीपक कटारिया, नवकल्प फाउंडेशन की संयोजक मीनाक्षी सक्सेना और जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम का स्टाफ मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने शुरू किया धरना

फतेहाबाद, (हि.स.)। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने लंबे समय से लंबित पड़ी मांगों व लोकल समस्याओं को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के बैनर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। तीन दिन तक चलने वाले धरने के पहले दिन अध्यक्षता यूनियन के ब्लाक प्रधान पवन कुमार ने की व संचालन दीपक ने किया। धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान बलवीर सिंह, सचिव बेगराज व कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह ने कहा कि कर्मचारियों को काम करते हुए 15 साल के लगभग समय हो चुका है लेकिन अभी तक ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को पक्का नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार विधानसभा में पॉलिसी बनाए और ग्रामीण कर्मियों को रेगुलर किया जाए। इसके अलावा उन्होंने कर्मचारियों को ईएसआई कार्ड, इपीएफ खाता नंबर दिया जाए ताकि कर्मचारियों को इलाज की सुविधा मिल सके और जमा पैसे की जानकारी हासिल हो सके। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को काम के लिए तमाम संसाधन जैसे रेहड़ी-रिक्शा, झाड़ू, कस्सी, तसला, हावड़ा, मास्क व दस्ताने खंड विकास पंचायत अधिकारी कार्यालय के माध्यम से दिलवाए जाए ताकि सफाई का काम नियमित रूप से हो सके। हरियाणा सरकार के आदेशानुसार मृतक कर्मचारी के आश्रितों को 2 लाख रुपए बीमा व परिवार के किसी एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध करवाया जाए। कर्मचारियों को हर महीने की 7 तारीख तक मानदेय का भुगतान किया जाए तथा जिन ग्राम पंचायतों में कूड़ा डालने की जगह नहीं है, वहां जगह उपलब्ध करवाई जाए ताकि ठीक समय पर सफाई हो सके। धरने को यूनियन के कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र, उग्रसैन, राजेन्द्र आदि ने भी संबोधित किया।

पेज 1 का शेष भाग

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर 18 जून ...

पैसे से किसको लाभ हुआ, इसका पता लगाना है। उन्होंने कहा था कि ये मामला केवल 4.81 करोड़ का ही नहीं है। सत्येन्द्र जैन की ओर से वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने कहा था कि सत्येन्द्र जैन जांच में लगातार सहयोग कर रहे हैं। हरिहरन ने कहा था कि ईडी जो दलीलें दे रहा है वो 2017 में दाखिल चार्जशीट का दोहराव मात्र है। उस केस में एक इंच आगे नहीं बढ़ा गया है। पांच-छह बार सत्येन्द्र जैन को बुलाया गया और वे जांच में शामिल हुए। हरिहरन ने कहा था कि सह-आरोपित कुछ भी कर सकता है। उसके लिए आरोपित जिम्मेदार नहीं है। सीबीआई जांच में भी आय के स्रोत का पता नहीं लगाया गया। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आरोपित का पैसा हवाला के जरिये गया। सत्येन्द्र जैन के घर पर दो बार छापा डाला गया। उनका बैंक खाता सीज किया गया। हरिहरन ने कहा था कि सत्येन्द्र जैन ने मंत्री बनने के बाद सभी कंपनियों से इस्तीफा दे दिया था। ईडी के पास जांच करने के लिए सब कुछ है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक सपा, एक बसपा ...

में हम जनता की सेवा के लिए अधिकतम कार्य करेंगे। हम सब प्रदेश के विकास और जनता के कल्याण के पुनीत कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि तीनों ही विधायक शुरू से भाजपा के साथ काम करना चाहते थे और आज भाजपा परिवार में शामिल हो गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने तीनों विधायकों का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने के बाद विधायक संजीव सिंह कुशवाहा ने कहा कि वे भाजपा परिवार के ही व्यक्ति हैं। कुछ समय के लिए वे भटक गए थे लेकिन आज उन्होंने वापसी कर ली है। भाजपा में शामिल होना उनके लिए गर्व का विषय है। विधायक राजेश शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि 2018 में उन्हें लगता था कि वह भाजपा से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। वह बुंदेलखंड और अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। विधायक राणा विक्रम सिंह ने कहा कि 2018 में निर्दलीय चुनाव जीतने के बाद वह भाजपा के साथ रहना चाहते थे लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने जब बहुमत नहीं होने पर सरकार बनाने से मना कर दिया तो वह भाजपा में शामिल नहीं हुए। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वह सरकार के साथ रहे और मुख्यमंत्री चौहान ने उनके क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव मदद की।

सेना का मिशन अग्निपथ: युवाओं को मिलेगी ...

कहा कि अग्निपथ योजना नए युग का नया विचार है, जो भारत में भारत के लिए बना है। इस योजना का सशस्त्र बलों के मानव संसाधन प्रबंधन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और सशस्त्र बलों के लिए भविष्य की आवश्यकताओं के बीच संतुलन लाएगा। भारतीय नौसेना प्रमुख ने कहा कि अभी नौसेना में महिला अधिकारी हैं। अग्निवीर योजना के तहत महिला नाविकों को भी शामिल किया जाएगा। यह एक बड़ा कदम है। सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और हमें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। महिला अधिकारियों की ऑन-बोर्ड तैनाती पहले से ही है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि 4 साल के प्रशिक्षण के दौरान अग्निवीर आसानी से हमारी इकाइयों से जुड़ जाएंगे। प्रशिक्षित होने के बाद यह चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात होने में सक्षम होंगे। योजना के क्रियान्वयन के दौरान हमारी परिचालन क्षमताओं से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना का उद्देश्य सेना को भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू बल बनाना है, जो संघर्ष के पूरे स्पेक्ट्रम में कई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा। आईटीआई और अन्य तकनीकी संस्थानों के माध्यम से 'अग्निवीर' की भर्ती करके सेना की तकनीकी सीमा को बढ़ाया जाएगा। सेना प्रमुख ने बताया कि निष्पक्ष, पारदर्शी और मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर स्क्रीनिंग के बाद चयनित 'अग्निवीर' हमारे संगठन का मूल हिस्सा बनेंगे। 'अग्निवीर' को हर तरह से सेना में आत्मसात और एकीकृत किया जाएगा।

मुंह बोलती तस्वीरों, वस्तुओं को समेटे स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय की पुलिस गैलरी: एसपी गर्ग

-3000 वर्ष तक की वस्तुओं को गैलरी में सजाया जा रहा है

सोनीपत, (हि.स.)। यादों का समेटे मुंह बोलती तस्वीरों, वस्तुओं को समेटे स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय की पुलिस गैलरी आने वाली पीढी को अपनी उपस्थित के साथ गवाही देगी अपने इतिहास की हमारे पूर्वजों के कारनामों की। ब्रिटिश कालीन तहसील का जीर्णोद्धार कर स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय के रूप में विकसित करने के कार्य में लगी ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के माध्यम से 100 वर्ष से लेकर 3000 वर्ष तक की वस्तुओं को सजाने का कार्य किया जा रहा है। यह बात सोनीपत पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने भी संग्रहालय में तैयार किया जा रही पुलिस गैलरी का निरीक्षण करने के बाद कही है। पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने मंगलवार को स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय सोनीपत का दौरा करते हुए पुलिस गैलरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के पास कुछ पुराने कागजात और वस्तुएं हैं, जिनको वह पुलिस गैलरी में सजाने के लिए संग्रहालय को उपलब्ध करवाई जाएगी। यह संग्रहालय भविष्य में देश दुनिया से पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा और खास बात यह है कि संग्रहालय में विशेष तौर से एक गैलरी पुलिस को भी समर्पित की गई है जिसमें पुलिस ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिस जवानों की शहादत को भी नमन करते हुए उनके चित्र लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया के उनकी तरफ से जो संभव हो पाएगा इस संग्रहालय के लिए अच्छा करने का प्रयास करेंगे। मौजूद ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने पुलिस अधीक्षक का संग्रहालय पहुंचने पर स्वागत किया और बताया कि इस भवन के जीर्णोद्धार का कार्य वर्ष 2014 में शुरू किया गया था। यहां पर बनाए जा रहे इस संग्रहालय के लिए सोनीपत जिला के लोगों द्वारा 40 करोड़ रूपए से भी अधिक कीमती वस्तुएं जो हजारों वर्ष पुरानी है उनको अपने घरों से निकल कर निःशुल्क उपलब्ध करवाई है। फिलहाल यहां पर सात गैलरियों को सजा दिया गया है और अन्य गैलरी को सजाने का कार्य पूर्ण किया जा रहा है।

उपायुक्त ललित सिवाच अध्यक्ष ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के अतिरिक्त नगर निगम कमिश्नर धर्मेंद्र इस कार्य को पूर्ण करवाने में सहयोग कर रहे है। डीएसपी विरेंद्र सिंह, एसएचओ सवित कुमार आदि निरीक्षण के दौरान साथ रहे।

संत शिरोमणि कबीर साहेब की शिक्षाएं समाज की धरोहर: सांसद सुनीता दुग्गल

-संत शिरोमणि सदगुरु श्री कबीर साहेब जी के 624वें प्रकट दिवस पर अनाज मंडी सिरसा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

सिरसा, (हि.स.)। स्थानीय अनाज मंडी में जगतगुरू संत शिरोमणि सदगुरु श्री कबीर साहेब जी के 624वें प्रकट दिवस पर आयोजित समारोह में सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि संत कबीर दास जी धार्मिक एकता के प्रबल समर्थक थे। उनकी शिक्षाएं समाज की धरोहर हैं और हम संत कबीर के सिद्धांतों के अनुरूप अंत्योदय को वचनबद्ध हैं। उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कमजोर वर्गों का सर्वांगीण विकास ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगा। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों, संतों, महात्माओं एवं महापुरुषों को याद करना किसी भी समाज एवं देश के लिए गौरव की बात है, इससे हमारी युवा पीढ़ी को हमारे महापुरुषों के आदर्शों एवं शिक्षाओं की जानकारी मिलती है। इससे पहले सांसद सुनीता दुग्गल ने अनाजमंडी स्थित संत शिरोमणि सदगुरु कबीर साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में पहुंचने पर सांसद का ढोल नगाड़ों व फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद सुनीता दुग्गल ने संत शिरोमणि सदगुरु कबीर साहेब के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया और जरूरतमंदों को दवाइयां भी वितरित की गई। इसके अलावा समारोह स्थल पर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं द्वारा छबील भी लगाई गई। सांसद दुग्गल ने आगे कहा कि संत किसी एक जाति विशेष के नहीं होते बल्कि युवाओं के प्रेरणा स्रोत होते हैं। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों की पालना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा गीता जयंती, कबीर जयंती, रविदास जयंती, वाल्मीकि जयंती, गुरु गोबिंद सिंह जयंती, बाबा बंदा सिंह बहादुर जैसे वीरों को याद किया जा रहा है। जयंतियों के माध्यम से हर व्यक्ति तक उनके जीवन दर्शन तथा देश व समाज हित के लिए उन्होंने जो कार्य किए हैं उनके बारे में सभी विशेषकर युवा पीढी को अवगत करवाया जा रहा है। राज्य सभा सांसद डीपी वत्स ने कहा कि जितने भी महापुरुष पैदा हुए हैं उन्होंने कभी भी यह नहीं कहा कि हम किसी धर्म या जाति से संबंध रखते हैं, उनका तो केवल एक ही ध्येय था मानव कल्याण। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास ने विभिन्न दोहों के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। कद ऊंचा हो जाने से मनुष्य बड़ा नहीं हो जाता, अच्छे कर्म करने वाला व्यक्ति ही हमेशा बड़ा होता है।

अमेरिका के स्वास्थ्य सचिव कोरोना संक्रमित

वाशिंगटन। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा (एचएचएस) सचिव जेवियर बेसेरा सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। वह एक महीने में दूसरी बार कोरोना संक्रमित हुए हैं। एचएचएस की प्रवक्ता सारा लोवेनहाइम के अनुसार बेसेरा कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में सुबह एंटीजन परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए। लोवेनहाइम ने कहा- ' बेसेरा फुल वैक्सीनेटेड हैं। वे हल्के लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं। वे आइसोलेशन में काम करते हुए एचएचएस सचिव के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। इससे पहले 64 वर्षीय बेसेरा मई के मध्य में बर्लिन की यात्रा पर कोरोना संक्रमित पाए गए थे। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते बेसेरा अमेरिका के विवादास्पद शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लास एंजिल्स (कैलिफोर्निया) में थे। इसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने राष्ट्रपति जो बाइडेन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ की थी। एचएचएस ने कहा कि बेसेरा को बाइडेन या हैरिस के निकट संपर्क के रूप में नहीं माना जाता है। जैसा कि यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन ने परिभाषित किया है।

पैगंबर पर टिप्पणी विवाद : उइगर मुस्लिमों पर क्रूरता करने वाले चीन ने भारत को दिया ज्ञान

बीजिंग, (हि.स.)। उइगर मुसलमानों पर अमानवीय तरीके से अत्याचार करने वाला चीन अब मुस्लिमों के हालात पर भारत को ज्ञान देने का प्रयास कर रहा है। पैगंबर विवाद पर चीन ने कहा कि इस घटना से समुचित ढंग से निपटा जा सकता है। चीन ने कहा कि वह मानता है कि विभिन्न सभ्यताओं, विभिन्न धर्मों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और समान स्तर पर सह-अस्तित्व में रहना चाहिए। भाजपा के दो पूर्व नेताओं की कथित विवादास्पद टिप्पणी के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन को लेकर सरकारी चीनी मीडिया द्वारा पूछे गये एक सवाल के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि हमने प्रासंगिक खबरों पर गौर किया है। हमें उम्मीद है कि संबंधित घटना से ठीक से निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अहंकार और पूर्वाग्रह को त्यागना महत्वपूर्ण है और सभी को एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन अपने शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। हालांकि चीन इन आरोपों को खारिज करता रहा है। चीन में मुस्लिम कम्युनिटी पर काफी पाबंदियां हैं। चीन में 2 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं लेकिन उनके साथ हो रहे अत्याचार पर चीन हमेशा खामोश रहा है।

यूक्रेन के डोनबास में आर-पार की जंग, रूसी सेना ने यूक्रेनी सैनिकों को घेरा

कीव, (हि.स.)। यूक्रेन पर रूस के हमले के साढ़े तीन महीने के बाद भी युद्ध हर दिन बढ़ता ही जा रहा है। ताजा कड़ी में रूसी सेना यूक्रेन के डोनबास में घमासान युद्ध कर रही है। रूसी सेना के साथ लड़ रहे डोनबास के विद्रोहियों ने दावा किया है कि सिवरस्की डोनेस्क नदी पर बना आखिरी पुल भी उड़ाने के बाद सीविरोडोनेस्क में मौजूद यूक्रेनी सैनिक फंस गए हैं। यूक्रेनी सैनिकों के सामने मृत्यु या समर्पण में से सिर्फ एक रास्ता बचा है। मारियुपोल में भी रूसी सेना ने कमोबेश यही स्थिति बना दी थी। वहां पर कई महीने लड़ने के बाद रूसी सेना ने मई में कब्जा किया था। मारियुपोल की अजोवस्टाल स्टील फैक्टरी में कई हफ्ते लड़ने के बाद यूक्रेनी सैनिकों को अंततः आत्मसमर्पण करना पड़ा था। वहीं यूक्रेन ने रूस समर्थित विद्रोहियों के दावे को नकारते हुए कहा कि सीविरोडोनेस्क से जमीनी संपर्क टूटा नहीं है। एक रास्ता बचा हुआ है लेकिन वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। सीविरोडोनेस्क और उसके नजदीकी शहर लिसिचांस्क के रूसी कब्जे में जाने का मतलब होगा कि लुहांस्क प्रांत पर पूरी तरह से रूस का कब्जा हो गया। वैसे इस प्रांत के एक हिस्से पर रूस समर्थित विद्रोहियों का 2014 से ही कब्जा है। लुहांस्क के गवर्नर सेरही गैदाई ने कहा है कि सीविरोडोनेस्क के अधिकांश इलाके पर रूसी सेना का कब्जा हो गया है। लड़ाई अब सड़कों पर न होकर एक-एक इमारत पर कब्जे के लिए हो रही है। यह युद्ध खूनी लड़ाई में तब्दील हो गया है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि हर मीटर जमीन के लिए लड़ाई हो रही है। एक बाजार में गिरे रूसी गोले की चपेट में आकर एक बच्चा समेत तीन लोगों की मृत्यु हो गई है।

बीजिंग में 'शराबियों' ने फैलाया कोरोना संक्रमण, बार में 200 से ज्यादा मामले मिलने के बाद टेस्ट के लिए लगी लंबी कतारें

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में एक बार फिर कोरोना की बड़े पैमाने पर वापसी होती दिख रही है। बीजिंग में कोरोना के प्रकोप को रोकने के लिए बीते दिन लाखों लोगों का अनिवार्य कोरोना टेस्ट कराया गया। बड़े पैमाने पर हुआ यह परीक्षण कोरोना में इजाफे के संकेत दे रहा है। बता दें कि हाल ही में चीन द्वारा प्रतिबंधों में ढील देने के बाद एक 'सुपरमार्केट बार' में 200 नए कोरोना मामले मिलने से चीन की शून्य कोविड नीति पर कई सवाल भी उठे हैं। सोमवार को कुछ परीक्षण केंद्रों के आसपास 100 मीटर से अधिक लंबी कतारें लगीं देखी गईं। इस दौरान कई घरों के आसपास पुलिस ने बेरिकेडिंग तक कर दी थी। इस बीच कई लोगों को टेस्टिंग के दौरान कोरोना टेस्ट सूट में भी देखा गया और कई अधिकारी कीटाणुनाशक का भी छिड़काव कर रहे थे। पिछले हफ्ते जैसे ही चीन में डाइन-इन प्रतिबंध हटा दिए गए, हेवन सुपरमार्केट बार में बड़े पैमाने पर शराब पीने के लिए लोग इकट्ठा हो गए। इस दौरान मिलने जुलने और पार्टियों के लिए तरस रहे युवा एक दम से बार में आने को टूट पड़े। यहां बीयर लेने के लिए बार में भीड़ एक दूसरे के ऊपर चढ़ना शुरू हो गई, जिससे कोरोना के मामले बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। कोविड संक्रमण का फिर से उभरना भी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से चिंताजनक है। चीन अपने सबसे अधिक आबादी वाले शहर और वाणिज्यिक केंद्र शंघाई के दो महीने के लाकडाउन से अभी उभरा ही है, इस बीच एक बार फिर से कोरोना के मामले आना पड़ोसी मुल्क के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। बता दें कि बीजिंग के रेस्तरां में हाल ही में डाइन-इन सेवा एक महीने से अधिक समय के बाद 6 जून को फिर से शुरू हुई। हालांकि, इस दौरान कई माल, जिम और अन्य स्थान बंद कर दिए गए थे। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के कुछ हिस्सों को निलंबित कर दिया गया और लाखों लोगों को घर से काम करने का आग्रह किया गया।

श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल का हर हफ्ते का कोटा तय, लागू होगी राशनिंग व्यवस्था

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई सरकार की अगले महीने से ईंधन राशन योजना शुरू करने की योजना है। इसके तहत पेट्रोल पंपों पर पंजीकृत उपभोक्ताओं को साप्ताहिक कोटे की गारंटी दी जाएगी। श्रीलंका के वरिष्ठ मंत्री ने इसकी जानकारी दी। थर्मल पॉवर जनरेशन के लिए डीजल आपूर्ति का दबाव आने के कारण श्रीलंका में फरवरी के मध्य से ईंधन की समस्या है। पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग रही हैं। पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं होने से श्रीलंका में लोगों को ईंधन खरीदने के लिए पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगानी पड़ रही हैं।

ईंधन की किल्लत होने से अप्रैल की शुरूआत से ही देश में 10 घंटे की बिजली कटौती हो रही है। ऐसी स्थिति में सरकार हालात पर काबू पाने के लिए ईंधन की राशनिंग व्यवस्था लागू कर सकती है। श्रीलंकाई ऊर्जा मंत्री कंचन विजयशेखर ने ट्वीट किया जब तक कि हम वित्तीय स्थिति को मजबूत करने, 24 घंटे बिजली बहाल करने और ईंधन की स्थिर आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होते, हमारे पास फिलिंग स्टेशनों पर उपभोक्ताओं को पंजीकृत करने और उन्हें एक गारंटीकृत साप्ताहिक कोटा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मुझे उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह तक यह प्रणाली लागू होगी। उन्होंने उम्मीद जताकर कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से ईंधन को लेकर मची आपाधापी दूर करने में मदद मिलेगी। देश में ईंधन के भंडार और जमाखोरी की खबरें भी आई हैं। विजयशेखर ने आशा व्यक्त की कि ईंधन कोटा लागू ने करने का यह उपाय संकट को दूर करने का एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने अन्य ट्वीट में कहा कि, वित्तीय प्रतिबंधों के साथ, सीलोन पेट्रोलियम कॉपोरेशन एक सप्ताह के लिए ईंधन का आयात करता है, लेकिन कुछ उपभोक्ता अपनी मशीनरी और जनरेटर के लिए एक महीने या उससे अधिक के लिए ईंधन का भंडार करते हैं। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली आपूर्ति में डीजल, फर्नेस ऑयल और नाफ्था के लिए अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर मासिक खर्च होता है।

उन्होंने कहा कि गैस आपूर्ति में कमी ने बिजली और मिट्टी के तेल की मांग में वृद्धि की है, और मासिक ईंधन बिल जो चार महीने पहले 200 मिलियन अमेरिकी डालर था, अब 550 मिलियन अमरीकी डालर है। इस बीच, भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत देय ईंधन शिपमेंट इस महीने के अंत में श्रीलंका पहुंच रहे हैं। लेकिन भविष्य में आपूर्ति की निरंतरता को लेकर कोई संकेत नहीं है। यह भारत की सहायता पर निर्भर है।

बढ़ती उम्र और गलत फैसलों के कारण बाइडेन की लोकप्रियता में भारी गिरावट

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में नवंबर में होने वाले महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के किंगमेकर और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तूफानी प्रचार के आगे जो बाइडन कमजोर दिख रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी के 50 से ज्यादा सीनेटरों और काउंटी नेताओं से बातचीत में सामने आया कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को पार्टी में ही स्वीकार्यता मिलना मुश्किल है। मई 2022 में बाइडन की अपनी ही पार्टी में अप्रूवल रेटिंग 9 प्रतिशत घटकर सिर्फ 73 प्रतिशत रह गई। इसके बाद पार्टी में नए चेहरे की तलाश शुरू हो गई है। डेमोक्रेटिक कमेटी के सदस्य स्टीव साइमोनिडीज का कहना है कि मध्यावधि चुनाव के बाद ही बाइडन को 2024 का चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर देना चाहिए। बाइडन के ज्यादातर फैसलों पर सवालिया निशान लग रहे हैं। फिर चाहे वहां ज्यादा टैक्स कलेक्शन का मसला हो, कोविड कंट्रोल हो या फिर अफगानिस्तान का मामला हो। डेमोक्रेटिक कमेटी के कई सदस्यों का ऐसा मानना है कि बाइडन के पास ट्रंप जैसा जुझारूपन नहीं है। अगले राष्ट्रपति के चुनाव में बाइडन 82 साल के हो जाएंगे। बाइडन विरोधियों का कहना है कि इस उम्र में उनके लिए ट्रंप जैसे नेता के मुकाबले भाग-दौड़ करना मुश्किल होगा। वैसे बाइडन अपनी उम्मीदवारी पर आशावादी बयान देते रहे हैं। टेक्सस रिप्रेजेन्टेटिव जेस्मिन क्रॉकेट युवा अश्वेत चेहरे के रूप में बाइडन को चुनौती दे सकती हैं। वे डेमोक्रेटिक पार्टी में युवाओं की भूमिका को बढ़ाने की पक्षधर हैं। वे कहती हैं युवा जोश से ही ट्रंप को टक्कर दे सकते हैं। वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को कुछ जानकार बाइडन का उत्तराधिकारी मान रहे हैं, लेकिन उन पर कोरोना और विदेश यात्रा के दौरान सरकार का सही स्टैंड नहीं बता पाने के आरोप लगते रहे हैं। कमला का विरोध मिनिसोटा के सीनेटर एमी क्लोबुकर, वेरमोन्ट सीनेटर बर्नी सैंडर्स, एलिजाबेथ वॉरेन और कोरी बुकर कर रहे हैं। ये सभी नेता पिछले चुनाव में बाइडेन से उम्मीदवारी की दौड़ में हार गए थे। ये 2024 में पार्टी की ओर से दावेदारी करने वाले हैं। राष्ट्रपति बनने के शुरूआती 6 महीने यानी मोटे तौर पर पिछले साल जनवरी से अगस्त के बीच बाइडन की यह रेटिंग कभी 50 प्रतिशत से ऊपर नहीं गई। औसत की बात करें, तब अब तक के कार्यकाल में बाइडन की अप्रूवल रेटिंग 45 प्रतिशत और डिस-अप्रूवल रेटिंग 49 प्रतिशत रही है। अगस्त के बाद तब यह बेहद तेजी से गिरी। इसकी दो मुख्य वजह रहीं। पहली- अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का जल्दबाजी में लिया गया फैसला और लापरवाही। दूसरी कोविड कंट्रोल और वैक्सीनेशन में तमाम खामियां। अब जबकि, मिड टर्म इलेक्शन हैं और ट्रंप ताल ठोक रहे हैं, तब बाइडन को संभलना होगा। नहीं तब सीनेट में बाइडन बहुत कमजोर पड़ जाएंगे और साढ़े तीन साल बाद होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी उनके हाथ से जीत छीन लेगी।

आज का इतिहास 15 जून

1659 औरंगजेब की ताजपोशी हुई.

1672 एम्सटर्डम की फ्रांसीसी हमले से बचाने के लिए बांधों के दरवाजे खोल दिए गये.

1744 ब्रिटिश एडमिरल जार्ज ऐसन ने दुनिया की यात्रा पूरी की.

1752 फिलाडेल्फिया में बंजामिन फैंकलिन ने आकाशीय बिजली और बिजली के बीच संबंधों की प्रदर्शन किया.

1904 न्यूयार्क के पास समुद्र में जहाज में आग लगने से एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गयी.

1908 कलकत्ता शेयर बाजार की स्थापना हुई.

1923 बुल्गारिया के नेता अलेक्जैंडर स्टैम्बोलिस्की की हत्या हुई.

1940 जर्मनी ने द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांस में मैगिनाट लाइन तोड़ दी.

1944 अमरीकी फौजों ने प्रशांत महासागर स्थित सेपान द्वीप पर हमला किया.

1970 तुर्की में दंगे भड़कने के बाद मार्शल ला लागू किया गया.

1988 तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा ने तिब्बत में चीन द्वारा सेना रखने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की.

1990 अमरीकी विदेश विभाग ने रोमानिया में छात्रों और श्रमिकों के प्रदर्शन के खिलाफ कार्रवाई के बाद सहायता रोकने की चेतावनी दी.

1991 कुवैत की मार्शल ला अदालत ने एक अखबार के छह कर्मचारियों को कब्जे के दौरान इराक के लिए काम करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई.

2000 दक्षिणी अफ्रीका के बर्खास्त कप्तान हैंसी क्रोन्जिये ने कहा कि उनकी सट्टेबाज से मुलाकात भारतीय पूर्व कप्तान मो.अजहरुद्दीन ने करायी.

पहली बार बढ़ा परमाणु युद्ध का खतरा, चीन और पाकिस्तान की आक्रामकता ने बढ़ाई चिंता

स्टॉकहोम (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध, ताइवान और भारत को लेकर चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच दुनिया में कई दशकों के बाद पहली बार परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पैदा हो गया है। यही नहीं शीत युद्ध के बाद पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब आने वाले सालों में परमाणु हथियारों की संख्या दुनिया में बढ़ने वाली है। वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली संस्था सिप्री की ताजा रिपोर्ट में यह चिंता व्यक्त की गई है। इस बीच दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या 12,705 तक पहुंच गई है। इस रिपोर्ट में भारत के लिए भी चिंता की बात है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहे हैं। सिप्री ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले और कीव को पश्चिमी देशों की मदद ने दुनिया के 9 परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी 2021 से जनवरी 2022 के बीच परमाणु हथियारों की कुल संख्या में जहां हल्की सी गिरावट आई है। हालांकि अब परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों ने कई सारे ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे आने वाले समय में कई दशकों के बाद पहली बार परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ने जा रही है। सिप्री के डायरेक्टर विलफ्रेड वान ने कहा दुनिया के सभी परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र या तो अपने एटम बमों की संख्या को बढ़ा रहे हैं, या फिर उन्हें अपग्रेड कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर अपनी परमाणु बयानबाजी और अपनी सैन्य रणनीति में एटम बमों की भूमिका को तेज कर रहे हैं। ' उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही चिंताजनक ट्रेंड है।' इसमें कहा गया है कि यूक्रेन में हमला शुरू करने के 3 दिन बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने परमाणु बल को हाई अलर्ट कर दिया था। वान ने चेतावनी दी कि रूस के रास्ते पर अगर और भी देश बढ़ते हैं तो इसके परिणाम इतने भयानक होंगे कि जैसाकि आपने अपने पूरे इतिहास में कभी नहीं देखा होगा। रूस दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ताकत है और उसके जखीरे में कुल 5,977 परमाणु बम हैं। यह अमेरिका से 550 ज्यादा हैं। रूस और अमेरिका दोनों ही देशों के पास दुनिया के 90 फीसदी परमाणु हथियार हैं। इस रिपोर्ट में चीन को भी लेकर भी डराने वाली चेतावनी दी गई है। चीन अब तेजी से अपने परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ा रहा है। ताजा अनुमानों के मुताबिक चीन 300 नए मिसाइल साइलो बना रहा है। जनवरी 2021 में परमाणु हथियारों की संख्या 13,080 थी जो अब घटकर 12,705 तक पहुंच गई है। अनुमान के मुताबिक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों ने 3,732 वारहेड को मिसाइलों और एयरक्राफ्ट में तैनात कर रखा है। इसमें से 2000 के करीब रूस या अमेरिका के हैं। ये सभी परमाणु बम हाई अलर्ट पर रखे गए हैं जिनका कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। सिप्री बोर्ड के चेयरमैन और स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन ने कहा कि दुनिया की महाशक्तियों के बीच संबंध लगातार पतन की राह पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान लगातार अपने परमाणु हथियारों की संख्या को न केवल बढ़ा रहा है, उसे उन्नत भी बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों ने साल 2021 में परमाणु बम गिराने के नए सिस्टम को अपने जखीरे में शामिल किया है। पाकिस्तान के पास 165 परमाणु बम हैं जो भारत से 5 ज्यादा है। भारत ने पिछले साल के मुकाबले अपने जखीरे में 4 और परमाणु बम शामिल किए हैं।

प्लास्टिक खाने वाले कीट लार्वा की प्रजाति की हुई खोज

-प्लास्टिक रीसाइक्लिंग में क्रांति लाने में कर सकती मदद

मेलबर्न (ईएमएस)। रिसर्चर्स का कहना है कि प्लास्टिक खाने वाले कीट लार्वा की प्रजाति प्लास्टिक रिसाइक्लिंग में क्रांति लाने में मदद कर सकती है। इस रिसर्च टीम में शामिल डॉक्टर क्रिस रिंकी ने कहा, ह्लसुपरवॉर्म मिनी रीसाइक्लिंग प्लांट की तरह होते हैं, जो पॉलीस्टाइनिन को अपने मुंह से काटते हैं और फिर इसे अपने आंत में मौजूद बैक्टीरिया को खिलाते हैं। क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी की टीम ने तीन सप्ताह में सुपरवॉर्म के तीन समूहों को अलग-अलग आहार दिए। इनमें से पॉलीस्टाइनिन खाने वाले समूह का वजन भी बढ़ गया।टीम ने सुपरवॉर्म की आंत में कई एंजाइम पाए, जो पॉलीस्टाइनिन और स्टाइरीन को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन इस रिसर्च से बड़े पैमाने पर कृमि फार्म बनने की संभावना नहीं है, जो रीसाइक्लिंग प्लांट के लिए जरूरी है। लिहाजा वैज्ञानिक यह पहचानने में लगे हैं कि इन कीड़ों में कौन सा एंजाइम सबसे प्रभावी है, ताकि रीसाइक्लिंग के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके। बता दें कि पूरी दुनिया में हर साल 300 मिलियन टन प्लास्टिक का निर्माण और उत्पादन किया जाता है। यूरोप में पूरी दुनिया का 26 प्रतिशत (6.6 मिलियन टन) प्लास्टिक उत्पादन होता है। वहीं 38 प्रतिशत प्लास्टिक जमीन में दबा दिया जाता है। अमेरिका में साल 2012 में उपभोग की जा चुकी प्लास्टिक में से केवल नौ प्रतिशत (2.8 मिलियन टन) को रिसाइकिल किया गया था। बाकी बची 32 मिलियन टन प्लास्टिक को कचरे में फेंक दिया गया था।माइक्रोबियल जीनोमिक्स में प्रकाशित रिसर्च में कहा गया है कि एंजाइम के साथ प्रयोग करने से पहले प्लास्टिक को कुछ जगहों से काट दिया जाएगा।

यूकेनी सैनिक रुस के हमले का जवाब देने के लिए अमेरिकी 155 एमएम वाली हॉविटजर एम109 लेकर जाते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 15 june 2022:Layout 1 6/14/2022 6:32 PM Page 5

फेडरल रिजर्व ने मॉनेटरी पॉलिसी में सख्ती जारी रखी तो 14,000 तक गिर सकता है निफ्टी

नई दिल्ली (ईएमएस)। निफ्टी में अभी और गिरावट आ सकती है। यह अपने वर्तमान स्तर से फिसलकर 14,500 या 14,000 तक भी आ सकता है। इसके पीछे कई वजहें गिनाते हुए जेफरीज के इक्विटी हेड क्रिस वुड ने सोमवार को कही हैं। चूंकि जेफरीज और क्रिस वुड दोनों ही शेयर बाजार के जाने-माने नाम हैं, तो वुड की बात को हल्के में लेना गलत होगा। सोमवार को निफ्टी 15,700 से नीचे फिसल गया, हालांकि बाद में कुछ अंकों की रिकवरी हुई। क्रिस वुड का कहना है कि अगर अमेरिका में फेडरल रिजर्व अपनी मॉनिटरी पॉलिसी में सख्ती जारी रखता है तो एसएंडपी इंडेक्स अपने उच्चतम स्तर से 30 फीसदी गिर सकता है। अगर भारतीय बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का इनवेस्टमेंट जारी रहता है, तो स्थिति अलग हो सकती है। अमेरिकी इकॉनमी के बारे में उन्होंने कहा कि अगर इस कैलेंडर ईयर की चौथी तिमाही में अमेरिकी इकॉनमी में स्लोडाउन के ठोस संकेत नहीं दिखते हैं तो उन्हें हैरानी होगी। अमेरिका में फेडरल रिजर्व एक तरफ मॉनेटरी पॉलिसी को सख्त कर रहा है तो दूसरी तरफ बैलेंसशीट घटा रहा है। वुड ने कहा जब तक ये दोनों चीजें जारी रहेंगी, तक तक अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोरी बनी रहेगी। अगर एसएंडपी अपने उच्चतम स्तर से 30 फीसदी नीचे नहीं आता है, तो हमें हैरानी होगी। क्रिस वुड ने कहा 10 साल से अधिक समय से अमेरिकी स्टॉक मार्केट में ईटीएफ के रास्ते बड़ा निवेश देखने को मिला है। इनमें से ज्यादातर फंड एसएंडपी से लिंक्ड हैं। इस साल की शुरूआत में एसएंडपी से लिंक्ड ईटीएफ में एक लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा निवेश हुआ। अगर अब ऐसे प्रोडक्ट से पैसा निकल रहा है तो यह बड़ी गिरावट का संकेत हो सकता है।

क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में जोरदार गिरावट, बिटकॉइन की कीमत 16 प्रतिशत लुढ़की

नई दिल्ली, (हि.स.)। वैश्विक स्तर पर कारोबारी जगत पर पड़ रहे निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण क्रिप्टोकरेंसी मार्केट भी पूरी तरह से दबाव में आ गया है। पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में ज्यादातर आभासी मुद्राओं की कीमत में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे महंगी आभासी मुद्रा बिटकॉइन सिर्फ 24 घंटे के कारोबार में ही 16 प्रतिशत फिसल कर 22,461 डॉलर के स्तर पर आ गई है। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में इस साल की शुरुआत से ही लगातार दबाव की स्थिति बनी रही है। खासकर रूस और यूक्रेन के बीच जंग की शुरुआत होने के बाद से ही अमेरिका समेत दुनिया के तमाम देशों में बढ़ी महंगाई के कारण क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में गिरावट काफी तेज हो गई है। इसकी वजह से सबसे बड़ी आभासी मुद्रा बिटकॉइन की कीमत सिर्फ 7 महीने की अवधि में ही घटकर एक तिहाई हो गई है। 01 नवंबर, 2021 को बिटकॉइन 69,900 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन आज उसकी कीमत गिरकर 22,461 डॉलर रह गई है। पिछले 7 दिनों के दौरान ही बिटकॉइन की कीमत में 28 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। आभासी मुद्रा का कारोबार करने वाले भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज वजीर-एक्स से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान 68.19 अरब डॉलर कीमत के बिटकॉइन की खरीद बिक्री की गई, जिसके बाद सुबह 10 बजे तक बिटकॉइन का टोटल मार्केट कैप 428.77 अरब डॉलर रह गया। बिटकॉइन की कीमत में आई गिरावट का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नवंबर 2021 में बिटकॉइन का टोटल मार्केट कैप 1270.36 अरब डॉलर का था। क्रिप्टो करेंसी मार्केट के जानकारों के मुताबिक नवंबर 2021 के बाद से ही बिटकॉइन पर लगातार दबाव बना रहा है, जिसकी वजह से इसकी कीमत में करीब 64 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। हालांकि मई के महीने तक बिटकॉइन मीडियम रेंज में रहकर कारोबार कर रहा था, लेकिन मई खत्म होने के बाद से ही बिटकॉइन में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक अलग-अलग देशों की मॉनिटरी पॉलिसी में महंगाई की वजह से की गई सख्ती और अमेरिकी प्रशासन द्वारा क्रिप्टोकरेंसी को लेकर बनाए गए सख्त नियमों की वजह से बिटकॉइन की कीमत में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। बिटकॉइन की तरह ही एथेरियम ब्लॉकचेन से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर की कीमत भी 16.5 साल प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,204 डॉलर के स्तर पर आ गई है। ईथर का पिछले 15 महीने के दौरान यह सबसे निचला स्तर है। बिटकॉइन के बाद ईथर को ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी का दर्जा मिला हुआ है। इन दोनों क्रिप्टो करेंसियों के अलावा डोगेकॉइन 8 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है, जबकि शीबा इनु में 1.62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज वजीर-एक्स से मिली जानकारी के मुताबिक निगेटिव सेंटीमेंट्स की वजह से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट का टोटल मार्केट कैप पिछले 24 घंटों के दौरान करीब 8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.08 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर आ गया है। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में टीथर, स्टेलर, पॉलीगॉन, लाइट कॉइन, यूनिस्वैप, सोलाना और पोल्काडॉट जैसी आभासी मुद्राओं की कीमत में भी पिछले 24 घंटों के दौरान 20 से लेकर 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की आशंका को लेकर क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जोरदार बिकवाली का रुख बना हुआ है, जिसके कारण आभासी मुद्राओं की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। माना जा रहा है कि फेडरल रिजर्व इस बार 0.5 बेसिस प्वाइंट की जगह 0.75 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी कर सकता है। ऐसा होने पर क्रिप्टोकरेंसी बाजार के साथ दुनिया भर के शेयर बाजारों में भी बिकवाली का तेज दबाव बन सकता है।

कैट ने अमेजन पर 202 करोड़ रुपये के जुर्माने के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, (हि.स.)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया (कैट) ने अमेजन पर 202 करोड़ रुपये के जुर्माने के फैसले को बरकरार रखने का स्वागत किया है। कारोबारी संगठन कैट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि फ्यूचर-अमेजन मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) द्वारा भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के फैसले को बरकरार रखने का आदेश स्वागत योग्य कदम है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने एनसीएलएटी के आदेश को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस आदेश ने सत्य की हमेशा जीत को साबित कर दिया है, जो एक मजबूत संकेत है कि भारत न एक बनाना गणराज्य है और ना ही देश के कानून कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले से यह साबित होता है कि भारतीय ई-कॉमर्स और रिटेल व्यापार को बंधक बनाने का किसी के कोई भी मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे और किसी भी विदेशी कंपनी को ईस्ट इंडिया कंपनी का दूसरा संस्करण नहीं बनने दिया जाएगा। खंडेलवाल ने बताया कि एनसीएलएटी ने सीसीआई के 17 दिसंबर, 2021 को जारी एक आदेश के खिलाफ अमेजन-फ्यूचर कूपन मामले में कैट और अन्य के द्वारा दायर विभिन्न अपीलों पर यह फैसला सुनाया है।

ट्रिब्यूनल ने माना कि सीसीआई के पूर्व में जारी आदेश में अमेजन ने जानबूझकर एक सोची समझी रणनीति के तहत जानकारी छुपाई। अमेजन ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) में अपने निवेश के लिए संयोजन की मंजूरी लेने के लिए गलत प्रतिनिधित्व, बयान और संबंधित सामग्री तथा जानकारी को छुपाया। सीसीआई ने अपने आदेश में अमेजन पर 201 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसके खिलाफ अमेजन ने यह अपील की थी, जिसे एनसीएलएटी ने बरकरार रखा है। कैट महामंत्री ने बताया कि एनसीएलएटी ने माना है कि अमेजन ने वास्तव में संयोजन से संबंधित जानकारी को छुपाया है, जबकि सभी संबंधित विवरणों का खुलासा भी नहीं किया है। एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई के बाद सीसीआई के आदेश को बरकरार रखते हुए 202 करोड़ रुपये के जुर्माने की पुष्टि की है। एनसीएलटी ने अपने फैसले में अमेजन को 45 दिनों के भीतर जुमार्ने की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया है। खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय एफडीआई कानून इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथा को रोकने और उपभोक्ताओं और खुदरा व्यापारियों के कारोबार की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और सुनिश्चित करने के लिए बने हैं। खंडेलवाल ने कहा कि अमेजन ने सरेआम एफडीआई कानूनों का उल्लंघन किया है और फ्यूचर रिटेल के अप्रत्यक्ष अधिग्रहण के साथ अवैध रूप से मल्टी ब्रांड रिटेल ट्रेड क्षेत्र में प्रवेश किया है, जो गैर-कानूनी है।

निवेश की सलाह लेने के लिए वित्त सलाहकारों से बेहतर हैं बंदर : वारेन बफे

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया शीर्ष निवेशक वारेन बफे वित्त सलाहकारों के कड़े आलोचक हैं। अब एक बार फिर उन्होंने वित्त सलाहकारों पर हमला बोला है। बफे ने अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे के शेयरहोल्डरों की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं किसी फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह की बजाय किसी बंदर के मशवरे पर पैसा लगाना पसंद करूंगा।' उन्होंने कहा कि 'कोई बंदर' भी अमेरिकी कंपनियों में पैसे फेंककर बेहतर रिटर्न दिला सकता है। वारेन बफे का कहना है कि निवेश एक काफी आसान खेल है।

लेकिन वित्तीय सलाहकार इसे बहुत ज्यादा कठिन काम के तौर पर पेश करते हैं। हालांकि, यह भी सही है कि अगर वे (वित्तीय सलाहकार) आपको बता देंगे कि यह कितनी आसान चीज है, तो उनका धंधा ही चौपट हो जाएगा, क्योंकि फिर 90 फीसदी लोग उनकी सेवा ही नहीं लेंगे। प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक बफे ने कहा, 'अगर आपके पास एक बंदर हो जो बहुत पर्चियों में से एक पर्ची चुन सकता हो, तो इससे आपकी सारी मैनेजमेंट फीस बच जाएगी और मैं उन एडवाइजर्स की जगह बंदर की सलाह पर दांव लगाना ज्यादा पंसद करूंगा।' वारेन बफे ने वॉल स्ट्रीट के वित्तीय सलाहकारों पर निशाना साधते हुए उन्हें 'पूंजीवाद की मेज से गिरने वाले टुकड़ों को लपकने' वाला बताया।

उन्होंने कहा कि अधिकतर मामलों में बंदर अमेरिकी कंपनियों में पैसे फेंककर इनसे बेहतर रिटर्न दिला सकते हैं। गौरतलब है कि वारेन बफे पहले भी कई बार फाइनेंशियल एडवाइजर्स पर हमला बोल चुके हैं। अप्रैल में उन्होंने कहा था कि वॉल स्ट्रीट एडवाइजर्स ने बाजार को जुआ पार्लर में बदल दिया है। दिग्गज निवेशक ने अपनी कंपनी के शेयरहोल्डर्स को कमाई का मंत्र बताते हुए कहा कि अधिकतर लोगों को सिर्फ 'एक अमेरिकी व्यवसाय' में अपना पैसा लगाने की जरूरत है। इसके बाद इस पैसे को बढ़ने दें। बफे ने कहा कि यह देखना काफी आश्चर्यजनक है कि जो चीज बहुत आसान है, उसे लोग कितना कठिन बनाकर पेश करते हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 123 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 123 डॉलर प्रति बैरल के करीब होने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने लगातार 23वें दिन दोनों ईंधन की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल का दाम 109.27 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.84 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 106.03 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल है। इसके अलावा देश के अन्य शहरों नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, लखनऊ में पेट्रोल का दाम 96.57 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल का भाव 89.76 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। फिलहाल कच्चा तेल का भाव 123 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 122.22 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 120.90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

ऐपल की नई सीरीज सितंबर के दूसरे हफ्ते में होगी लॉन्च

-लीक हुए खास फीचर्स भी

मुंबई (ईएमएस)। ऐपल की नई सीरीज को सितंबर महीने के दूसरे हफ्ते में लॉन्च किया जाएगा। इस सीरीज के दो मॉडल के रिलीज टाइमफ्रेम को लेकर जानकारी मिली है। जानकारी के मुताबिक आईफोन 14 मैक्स और आईफोन 14 मैक्स प्रो एक महीने टल सकते हैं। आमतौर पर नए आईफोन लॉन्चिंग के दो हफ्ते के बाद ही खरीदारी के लिए उपलब्ध करा दिए जाते हैं, लेकिन आईओफ 14 मैक्स और आईफोन 14 प्रो मैक्स को थोड़ी देरी हो सकती है। कहा जा रहा है ऐपल आईफोन 14 सीरीज के बाकी दो मॉडल आईफोन 14 और आईफोन 14 प्रो को लॉन्चिंग के ठीक बाद उपलब्ध करा दिया जाएगा, लेकिन बाकी दो हाई-एंड मॉडल के

साथ ऐसा नहीं है। हालांकि इस देरी की वजह को लेकर किसी तरह की कोई जानकारी नहीं है। आईफोन 14 सीरीज में भी कंपनी के पिछले दो सीरीज की तरह चार मॉडल होंगे, जिसमें आईफोन 14, आईफोन 14 मैकस, आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स शामिल हो सकते हैं। लेकिन उम्मीद है कि एप्पल मिनी मॉडल को हटा देगा, और इस साल खरीदारों के लिए इसे मैक्स वेरिएंट पेश करेगा। इसका मतलब ये हुआ कि इसका वैनिला आईफोन 14 बाजार में बेस वेरिएंट के रूप में पेश किया जाएगा। टिपस्टर ने ये भी खुलासा किया है कि आईफोन14 मैक्स में डुअल 12-मेगापिक्सल शूटर होंगे। एप्पल के पास आईफोन 14 मैक्स के 128जीबी और 256जीबी स्टोरेज मॉडल हो सकते हैं, जबकि इस साल आईफोन 14 प्रो लाइनअप के लिए 2 टीबी जितना हाई एंड पर हो सकता है। लीक रिपोर्ट से ये हिंट मिला है कि आईफोन 14 मैक्स ए15 बायोनिक चिपसेट से लैस होगा, और साथ ही इसमें आईफोन13 लाइनअप की तरह हार्डवेयर मौजूद होगा। लेकिन 90 एचझेड रिफ्रेश रेट डिस्प्ले के साथ 6जीबी रैम अपग्रेड इसे खरीदारों को आकर्षित कर सकता है।

ग्राहकों की शिकायतों का जल्दी से जल्द से जल्द निपटारा करें स्विगी और जोमैटो

-उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एफबीओ कंपनियों को दिया निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने स्विगी और जोमैटो जैसी ई-कॉमर्स फूड बिजनस ऑपरेटर (एफबीओ) कंपनियों पर सख्त रुख दिखाया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उन्हें ग्राहकों की शिकायतों का जल्दी निपटारा करने के लिए 15 दिनों के भीतर प्रस्ताव प्रस्तुत करें। इसके अलावा यह भी निर्देश दिया गया है कि वे अपने मौजूदा काम-काज के ढांचे में सुधार करें। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रमुख ई-कॉमर्स फूड बिजनस ऑपरेटर के साथ बैठक के दौरान इस बात के निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि पिछले 12 महीनों के दौरान, ई-कॉमर्स एफबीओ के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर स्विगी के खिलाफ 3631 से अधिक और जोमैटो के खिलाफ 2,828 शिकायतें दर्ज की गई हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने ई-कॉमर्स एफबीओ द्वारा रेस्तरां के साथ ग्राहक की जानकारी साझा नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया, जो उपभोक्ता की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। इसके अलावा प्रत्येक ऑर्डर पर ऑनलाइन एफबीओ द्वारा लगभग 20 फीसदी का कमीशन भी लिया जाता है।

मिनटों में चार्ज होने वाला धाकड़ स्मार्टफोन होगा लॉन्च

-रियलमी जीटी नियो 3 टी है यह स्मार्टफोन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में रियलमी का मिनटों में चार्ज होने वाला धाकड़ स्मार्टफोन लॉन्च होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, रियलमी जीटी नियो 3 टी भारत में जल्द ही लॉन्च हो सकता है क्योंकि देश में इसका सपोर्ट पेज लाइव हो गया है। सपोर्ट पेज स्मार्टफोन के विभिन्न स्पेयर पार्ट्स की कीमतों को दिखाता है। चीनी कंपनी ने अभी तक भारत में स्मार्टफोन की उपलब्धता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। चलिए डिटेल में जानते हैं फोन की कीमत-फीचर्स के बारे में सबकुछ...जैसा कि शुरू में टिपस्टर मुकुल शर्मा द्वारा देखा गया था,रियलमी जीटी नियो 3 टी का सपोर्ट पेज रियलमी इंडिया की वेबसाइट पर लाइव हो गया है, जो हिंट देता है कि इसे जल्द ही देश में लॉन्च किया जा सकता है। सपोर्ट पेज फिंगरप्रिंट स्कैनर, फ्रंट कैमरा, पावर एडॉप्टर, रियर कैमरा (मैक्रो) और यूएसबी केबल जैसे विभिन्न स्पेयर पार्ट्स की कीमतों को दशार्ता है।स्पेसिफिकेशन की बात करें, तो रियलमी जीटी निओ 3टी स्मार्टफोन में 6.62-इंच का ई4 अमोलेड डिस्प्ले है और यह 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के लिए सपोर्ट करता है। हैंडसेट एड्रेनो 650 जीपीयू के साथ क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 चिपसेट से लैस है। फोटोग्राफी के लिए, स्मार्टफोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेंसर के साथ 64-मेगापिक्सल का मेन लेंस, 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस और 2-मेगापिक्सल का मैक्रो सेंसर है। फ्रंट में, सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 16-मेगापिक्सल का कैमरा सेंसर है। फोन में 80 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000 एमएएच की बैटरी है। कंपनी की दावा है कि सिर्फ 12 मिनट में 0-80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाता है। फोन रियलमी यूआई 3.0 के साथ एंड्रॉइड 12 ओएस पर काम करता है। हैंडसेट में ब्लूटूथ वर्जन 5.2, डुअल-बैंड वाई-फाई, वीसी कूलिंग और 5ऋ्ष तक वर्चुअल रैम भी है। यह 8जीबी रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज के साथ आता है। मालूम हो कि रियलमी जीटी नियो 3 टी को ब्रांड ने हाल ही में इंडोनेशिया में रियलमी जीटी नियो 3 और रियलमी बडस एयर 3 के नाइट्रो ब्लू एडिशन के साथ लॉन्च किया गया था।

दैनिक पंचांग

15 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

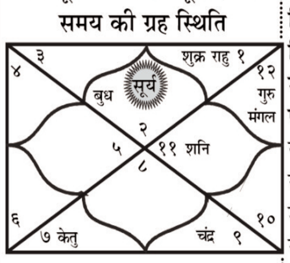

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.19 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.32 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	09.49 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.00 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	14.11 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.26 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.42 बजे से
राहु	मेष में	मकर	20.47 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	22.34 बजे से
राहुकाल		मीन	00.06 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.37 बजे से
बजे तक		वृष	03.17 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 166 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 13.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 15.33 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 05.28 बजे तदनन्तर शुक्ल (शुक्र) 01.14 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 13.32 बजे तदनन्तर तैतिल 23.38 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871280 **जूलियन दिन** 2459745.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जिल्काद **तारीख** 15 **विशेष** मिथुन संक्रांति, इष्टि, गुरु हरगोबिंद जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अक्सीया टेक्नालॉजीस का सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर के रूप में चयन

-केरल की सॉफ्टवेयर कंपनी का बीएमडब्ल्यू से करार

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगी कारें बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू ने इंफोटेनमेंट सिस्टम डेवलप करने के लिए केरल स्थित टेक्नोपार्क-आधारित एक ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर कंपनी अक्सीया टेक्नालॉजीस को सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर के रूप में चयनित किया है। कंपनी ने जीपीएस एनेबल प्रोडक्ट के लिए ग्लोबल प्रोवाइजर गार्मीण को सॉफ्टवेयर डेवलप प्रोवाइडर के रूप में चुना है। इसके साथ ही अक्सीया बीएमडब्ल्यू के लिए इंफोटेनमेंट सिस्टम डेवलप करने के लिए जर्मनी स्थित एओएक्स टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर काम करेगी। बीएमडब्लयू ने मीडिया को जारी किए गए एक बयान में कहा है कि उसने गार्मीण के साथ एक कॉन्ट्रेक्ट साइन किया है। इसके तहत उसके इंजीनियर अब को जर्मनी में रहेंगे, जबकि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का काम केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित अक्सीया के डिलीवरी सेंटर में किया जाएगा। बता दें कि अक्सीया केरल सरकार के एडिशनल कौशल अधिग्रहण कार्यक्रम के साथ जुड़ी रही है, ताकि उनके द्वारा पेश किए जाने वाले ऑटोमोटिव-संबंधित कोर्से को इनपुट दिया जा सके।इस मौके पर अक्सीया टेक्नालाजीस के सीईओ जिजिमोन चंद्रन ने कहा कि इस दौरान कंपनी को एक लंबे इवैल्यूऐशन प्रोसेस से गुजरना पड़ा और अंत में बीएमडब्ल्यू ने उन्हें चुना। उन्होंने कहा कि अक्सीया जर्मन कार कंपनियों के लिए एक प्रमुख ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट का काम करने वाली भारतीय कंपनियों में से एक थी। चंद्रन ने कहा कि इस कॉलोब्रेशन के साथ ग्लोबल ऑटोमोटिव क्षेत्र में हमारी पकड़ और मजबूत होगी। इस परियोजना की मदद अक्सीया के इंजीनियरों को विश्व स्तरीय ऑटोमोटिव ब्रांड के साथ काम करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अक्सीया के पास ऑटोमोटिव कार निमार्ता और टियर-1 कंपनियों के लिए इंफोटेनमेंट और कनेक्टेड कार प्रोडक्शन प्रोग्राम डेवलप करने का काफी अनुभव है। कंपनी गार्मीण और एओएक्स के सहयोग से इस अनुभव का इस्तेमाल बीएमडब्ल्यू के लिए वर्ल्ड क्लास इंफोटेनमेंट और इंटीग्रेटेड कॉकपिट सिस्टम बनाने के लिए करेगी। वहीं, इस मैके पर ऑटोमोटिव ओईएम इंजीनियरिंग गार्मिन के उपाध्यक्ष क्रेग पुडर ने कहा कि एओएक्स के साथ अक्सीया, गार्मीण सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट पार्टनर बनने के बाद हमारी दक्षताओं को और मजबूती मिलेगी।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा, बुधवासरे, पुर्नवसु नक्षत्रे, ध्रुव योगे, ववकरणे, मिथुन की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योग, अमृत सिद्ध योग, कर्णवेध, देव प्रतिष्ठा तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, सज्जन, स्वाभिमानी तथा कुशल वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- यात्रा भय, कष्ट, व्यापार बाधा, शुभ समाचार, प्रसन्नता का योग बनेगा।
वृष राशि :- शत्रु भय, रोग, स्वजन सुख, लाभदायक जीवन, सुख, समय असमंजस में बीतेगा।
मिथुन राशि :- वाहन भय, मातृ-पितृ कष्ट हानि, व्यर्थ अनाप-शनाप व्यय से परेशानी होगी।
कर्क राशि :- सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाह, उद्योग-व्यापार में कष्ट होगा, ध्यान दें।
सिंह राशि :- शरीर कष्ट, उत्तम व्यय, खर्च में सफलता, व्यावसाय में साधारण लाभ होगा।
कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री-शरीर कष्ट, चोटादि का भय, कष्ट, विलाप तथा हानि होगी।
तुला राशि :- यात्रा में हानि, राजभय, लाभ, कारोबार में उबाल तथा कष्ट की स्थिति बनेगी।
वृश्चिक राशि :- वृत्ति में लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, कारोबार में लाभ, शिक्षा से लाभ
धनु राशि :- अल्प लाभ, शरीर कष्ट, चोटादि का भय, विलाप तथा हानि होगी।
मकर राशि :- शत्रु हानि, आंशिक शारीरिक सुख, उद्योग-व्यापार से लाभ होगा, ध्यान दें।
कुंभ राशि :- शुभ व्यय, संतान सुख, कार्य सफलता, मित्र-वर्ग से संतोष होगा।
मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, न्याय, लाभ-हानि, व्यय, जीवन संतोषमय होगा।

जो रूट ने पूरे किये 10,191 टेस्ट क्रिकेट रन, सुनील गावस्कर को छोड़ा पीछे

नॉटिंघम, (हि.स.)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने 10,191 टेस्ट क्रिकेट रन पूरे किए और भारत के पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर के 10,122 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में चल रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन यह उपलब्धि हासिल की, जहां उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में कुल 176 रन बनाए। इस रिकॉर्ड के साथ, रूट गावस्कर और पाकिस्तान के यूनिस खान को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सूची में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर 15,921 रनों के साथ शीर्ष पर हैं। दूसरे टेस्ट की बात करें तो इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 554 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिशेल और टॉम ब्लंडेल ने क्रमशः 190 और 106 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से जेम्स एंडरसन ने तीन जबकि स्टुअर्ट ब्रॉड, बेन स्टोक्स और जैक लीच ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 539 रनों पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से ट्रेंट बोल्ट ने पांच विकेट लिए और माइकल ब्रेसवेल ने तीन विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर 4 विकेट पर 224 रन बना लिए हैं। डेरिल मिशेल और मैट हेनरी क्रीज पर नाबाद हैं।

प्रधानमंत्री ने दिया युवा खिलाड़ियों को भरोसा, कहा- सरकार हर कदम पर प्रतिभाशाली युवाओं के साथ

नई दिल्ली, (हि. स.)। हरियाणा के इंद्रधनुष स्टेडियम में सोमवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 का समापन हो गया। मेजबान हरियाणा कुल 137 पदक (52 स्वर्ण) के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि महाराष्ट्र (125 पदक - 45 स्वर्ण) दूसरे और कर्नाटक (67 पदक - 22 स्वर्ण) तीसरे स्थान पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर एक विशेष संदेश भेजा और कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा और प्रदर्शन 21वीं सदी के भारत की लगातार बढ़ती क्षमता का प्रतिबिंब है। संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, "वर्षों से, देश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर विभिन्न प्लेटफार्मों पर विभिन्न खेलों में अपने प्रदर्शन से खुद को, अपने परिवार और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। इन सभी खिलाड़ियों की प्रतिभा और प्रदर्शन भारत की 21वीं सदी की बढ़ती क्षमता का प्रतिबिंब है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवा खिलाड़ियों की आशाएं और आकांक्षाएं सरकार के फैसलों और नीतियों का आधार बन रही है।

उन्होंने कहा,"नई शिक्षा नीति में खेलों को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया गया है। आधुनिक तकनीक का तालमेल आज भारत में एक समृद्ध खेल संस्कृति का निर्माण कर रहा है। खेल के क्षेत्र में प्रतिभा की पहचान, चयन और प्रशिक्षण से लेकर खिलाड़ियों की खेल आवश्यकताओं तक। सरकार हर कदम पर देश के प्रतिभाशाली युवाओं के साथ है।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "देश के कोने-कोने से युवा खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया के इस संस्करण में भाग लिया और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत किया। हमारी कामना है कि हमारे युवा खेल के मैदान में अपने हौसले को उड़ान देते हुए देश का मान-सम्मान बढ़ाते रहें।" केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस संस्करण में 12 नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा, "खेलो इंडिया यूथ गेम्स के सभी संस्करणों में द्वंद्व हमेशा हरियाणा और महाराष्ट्र के बीच रहा है और इस बार भी यह अलग नहीं था। मैं हरियाणा को फिर से शीर्ष सम्मान लेने के लिए बधाई देता हूं।

हरियाणा ने खेल महाशक्ति राज्य के रूप में अपना दबदबा जारी रखा है।" उन्होंने कुछ प्रेरणादायक घटनाओं और कहानियों के बारे में भी उल्लेख किया जो खेलों से सामने आईं, जैसे कि केआईवाईजी 2021 के 17 भारोत्तोलकों को आगामी एशियाई युवा और जूनियर चैम्पियनशिप 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो ताशकंद में 15 से 26 जुलाई तक होने वाली है। समापन समारोह के अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक, राज्य के खेल मंत्री संदीप सिंह सहित हरियाणा के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वेलिंगटन फायरबर्ड्स से अलग हुए न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी जेम्स नीशम

वेलिंगटन, (हि.स.)। न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी जेम्स नीशम चार साल बाद वेलिंगटन फायरबर्ड्स से अलग हो गए हैं। नीशम को पहले 2022-23 सीजन के लिए न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखा गया था और वर्तमान में उनके पास आगामी सीजन के लिए घरेलू अनुबंध भी नहीं है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार नीशम ने कहा, "मुझे पिछले चार वर्षों में वेलिंगटन के लिए खेलना बहुत पसंद है। मुझे इस टीम का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है और मेरा स्वागत करने और हम जो विजन बनाना चाहते हैं, उसे देखने के लिए समूह का आभारी हूं।" उन्होंने कहा, "हमने खूब मौज-मस्ती की और काफी सफलता का अनुभव किया है और मुझे पता है कि वेलिंगटन क्रिकेट का सबसे सफल युग अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए मैं टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।" 2018-19 सीजन में वेलिंगटन में शामिल होने के बाद, 31 वर्षीय ने उस सीजन में अपनी पहली फोर्ड ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 12 मैचों में 62.87 की औसत से 503 रन बनाए और 13 विकेट लिए। उन्होंने तीन प्रतियोगिताओं - 2018-19 में फोर्ड ट्रॉफी, 2019 में प्लंकेट शील्ड और 2019-20 और 2020-21 सीजन में बैक-टू-बैक सुपर स्मैश खिताबों में वेलिंगटन को चार घरेलू खिताब दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। क्रिकेट वेलिंगटन के सीईओ कैम मिशेल ने कहा, "जिमी वेलिंगटन फायरबर्ड्स का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले चार सत्रों में काफी सफलता हासिल की है।" उन्होंने कहा, "वेलिंगटन आने के बाद से जिमी को खेल के प्रति उनके प्यार को फिर से देखकर हम बहुत खुश हैं और उन्होंने दिखाया है कि वह क्रिकेट के खेल में सबसे प्रतिभाशाली ऑलराउंडरों में से एक हैं।" नीशम ने हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के साथ अपना आईपीएल 2022 का कार्यकाल पूरा किया और वर्तमान में टी 20 विटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थम्पटनशायर के साथ है।

श्रीलंका दौरे पर जाने के लिए तैयार हैं : पीसीबी

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि उनकी टीम तय कार्यक्रम के अनुसार श्रीलंका दौरे पर जाने के लिए तैयार है। पीसीबी ने श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) से कहा है कि वह जुलाई-अगस्त में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए इंकार नहीं करेगी। एक पीसीबी अधिकारी ने कहा, हम हमेशा श्रीलंका क्रिकेट का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। हमें टेस्ट श्रृंखला के लिए इस देश का दौरा करने में कोई परेशानी नहीं है। गौरतलब है कि आर्थिक बदहाली के बाद से ही श्रीलंका में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। इसी कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई (सीए) ने अपनी टीम के अपने अगले माह होने वाले दौरे का फैसला हालातों को देखकर करने की बात कही है। वहीं एक पीसीबी अधिकारी ने कहा है कि दौर का फैसला श्रीलंकाई बोर्ड को करना है और वह जो भी फैसला करेंगे पीसीबी उसे मानेगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, श्रीलंका बोर्ड के साथ हमारा रिश्ता काफी मजबूत है, दोनों देशों ने हमेशा कठिन हालात में एक दूसरे का समर्थन किया है। इसलिए पीसीबी पाकिस्तान जुलाई-अगस्त में श्रृंखला खेलने से इनकार नहीं करेगा।

यूईएफए नेशंस लीग : फ्रांस का अंतिम चार में जाने का सपना टूटा, क्रोएशिया ने 1-0 से हराया

सेंट-डेनिस, (हि.स.)। यूईएफए नेशंस लीग के अंतिम चार के लिए क्वालीफाई करने की फ्रांस की उम्मीदें क्रोएशिया के खिलाफ 1-0 से हारने के बाद टूट गईं। इस हार के साथ, फ्रांस यूईएफए नेशंस लीग में अब तक केवल दो अंक के साथ जीत से वंचित रहा और ग्रुप 1 अंक तालिका में सबसे नीचे रहा। मैच की शुरूआत क्रोएशिया ने केवल पांच मिनट में शुरूआती बढ़त लेने के साथ की, जब इब्राहिमा कोनाटे द्वारा एंटे बुडिमिर को फाउल करने के बाद मोड्रिक ने पेनल्टी को गोल में बदल दिया। यह मोड्रिक का क्रोएशिया के लिए 152 मैचों में 22वां गोल था। इसके बाद फ्रांस ने मैच में वापसी के काफी प्रयास किये। कियान म्बाप्पे ने टीम के लिए मौके भी बनाए, लेकिन इविका इवुसिक ने उनके शॉट को आराम से बचा लिया। मैच में अंतिम सीटी बजने तक क्रोएशिया ने अपनी 1-0 की बढ़त बरकरार रखी और फ्रांस का अंतिम चार में जगह बनाने का सपना टूट गया। इस जीत के बाद क्रोएशिया ग्रुप 1 अंक तालिका में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर : हांगकांग के खिलाफ भारत की नजरें इतिहास रचने पर

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय फुटबॉल टीम की नजरें एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के फाइनल मैच में मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ इतिहास रचने और टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने पर है। भारतीय टीम अपने इतिहास में पहली बार एएफसी एशियाई कप के बैक-टू-बैक संस्करणों के लिए क्वालीफाई करने के कगार पर हैं और एएफसी एशियाई कप फाइनल में अपनी बर्थ सुरक्षित करने के लिए हांगकांग के खिलाफ सिर्फ एक अंक की जरूरत है। हांगकांग के खिलाफ भारत तीन अंकों से कम पर समझौता नहीं करेगा जो उन्हें समूह में शीर्ष स्थान पर पहुंचा देगा। भारतीय टीम इस मैच के जरिए प्रशंसकों को एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाइ कर जश्न मनाने का पूरा मौका देना चाहती है। क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहले ही तीन गोल कर चुके सुनील छेत्री अपने 84वें अंतरराष्ट्रीय गोल की तलाश करेंगे जो उन्हें सर्वकालिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गोल करने वालों की सूची में हंगरी के दिग्गज फेरेंक पुस्कस की बराबरी पर ला देगा। एएफसी एशियन कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के पहले दो ग्रुप मैच जीतने के बाद भारतीय टीम काफी बेहतर महसूस कर रही होगी और कोलकाता में तीन में से तीन जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। वहीं, हांगकांग की टीम पहले दो मैचों में शानदार फॉर्म में रही है और अगले मैच में परिणाम पाने के लिए आश्वस्त महसूस करेगी। पिछली पंद्रह अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में, भारत ने सात जीते हैं जबकि हांगकांग चार जीतने में सफल रहा है, और बाकी ड्रॉ में समाप्त हुए हैं। हालांकि, भारत हांगकांग के खिलाफ अपने पिछले दो मैच हार चुका है। हांकांग ने भारत को 2009 में 2-1और 2010 में 1-0 से हराया था।

विश्व कप फुटबॉल के बाद कोमैन फिर बनेंगे नीदरलैंड के कोच

एम्सटर्डम (ईएमएस)। रोनाल्ड कोमैन कतर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के बाद एक बार फिर नीदरलैंड टीम के कोच बनेंगे। विश्व कप में नीदरलैंड की टीम कोच लुई वान गाल के मार्गदर्शन में उतरेगी पर वान ने पहले ही कह दिया था कि वह 18 दिसंबर को कतर में समाप्त होने वाले टूर्नामेंट के बाद कोच पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में कोमैन को दूसरी बार कोच बनना तय है क्योंकि डच सॉकर महासंघ ने एक बार फिर कोमैन को टीम के साथ जोड़ने का फैसला किया है। डच महासंघ के निदेशक मारियेन वान ल्युवेन ने कहा, कोच के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान हम उनके काम और परिणामों को लेकर संतुष्ट थे।' कोमैन दो साल से भी कम समय पहले नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम को छोड़कर स्पेन के क्लब बार्सीलोना से जुड़े थे जहां वह एक खिलाड़ी के तौर पर सफल रहे थे थी लेकिन कोच के तौर पर उनका कार्यकाल अच्छा नहीं रहा था। इसी कारण क्लब ने उन्हें पिछले साल अक्टूबर में हटा दिया था।

बीसीसीआई ने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों की मासिक पेंशन बढ़ाई

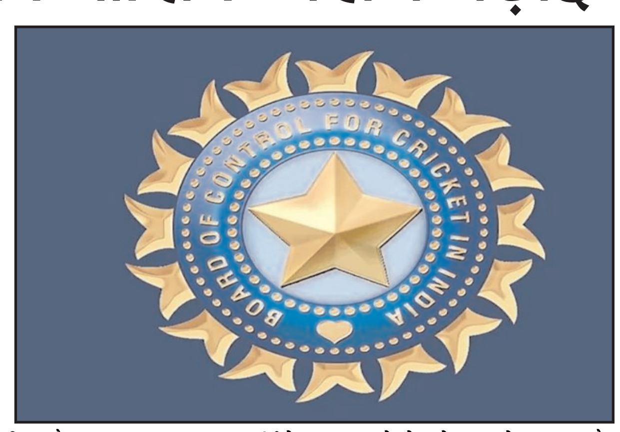

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व क्रिकेटरों (पुरुष और महिला दोनों) और पूर्व अंपायरों की मासिक पेंशन में बढ़ोतरी की है। बीसीसीआई अध्यक्ष, सौरव गांगुली ने कहा, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हमारे पूर्व क्रिकेटरों की वित्तीय भलाई का ध्यान रखा जाए। खिलाड़ी जीवन रेखा बने रहते हैं और एक बोर्ड के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि एक बार उनके खेलने के दिन समाप्त हो जाएं तो उनका आर्थिक रूप से ध्यान रखा जाए। अंपायर अनसंग हीरो रहे हैं और बीसीसीआई वास्तव में उनके योगदान को महत्व देता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, हमारे क्रिकेटरों का कल्याण चाहे वह पूर्व हो या वर्तमान, सर्वोच्च प्राथमिकता है, और पेंशन राशि बढ़ाना उस दिशा में एक कदम है। बीसीसीआई पिछले कुछ वर्षों में अंपायरों के योगदान को महत्व देता है और भारतीय क्रिकेट के लिए उनकी मेहनती सेवाओं के लिए आभार व्यक्त करने का यह एक तरीका है। कुल लगभग 900 कर्मियों को योजना का लाभ मिलेगा, जिसमें 75% से अधिक लाभार्थियों को 100% वृद्धि मिलेगी। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा, बीसीसीआई आज जो कुछ भी है, वह अपने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों के योगदान के कारण है। हमें मासिक पेंशन में वृद्धि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो हमारे पूर्व क्रिकेटरों की भलाई के लिए एक संकेत होगा।

बीसीसीआई द्वारा बढ़ाई गई पेंशन राशि इस प्रकार है-

मौजूदा पेंशन प्रति माह (रु.) प्रति माह	बढ़ी हुई पेंशन (रु.)
1- रु.15,000	रु 30,000
2- रु. 22,500	रु. 45,000
3- रु 30,000	रु. 52,500
4- रु.37,500	रु. 60,000
5- रु. 50,000	रु 70,000

बढ़ी हुई पेंशन राशि 1 जून से प्रभावी होगी।

कतर में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में जीत के बाद उत्साहित ऑस्ट्रेलिया के एंडूयू रिडमायने व एजीज बेनिक। (फोटो-ईएमएस)

नीशम का करियर समाप्त होने की ओर

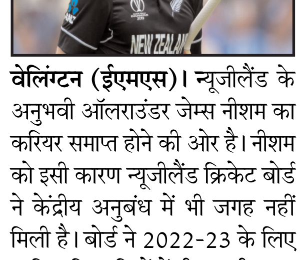

वेलिंग्टन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर जेम्स नीशम का करियर समाप्त होने की ओर है। नीशम को इसी कारण न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने केंद्रीय अनुबंध में भी जगह नहीं मिली है। बोर्ड ने 2022-23 के लिए शामिल खिलाड़ियों में नीशम की जगह पर ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को पहली बार शामिल किया गया है। नीशम को बाहर किये जाने का कारण पिछले काफी समय से उनका टीम से बाहर रहना माना जा रहा है। नीशम ने अपना अंतिम टेस्ट मैच 2017 में खेला था। उन्होंने पिछले एक साल में केवल 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस दौरान उनका प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा।ब्रेसवेल ने इसी साल मार्च में नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरूआत की थी।

हांगकांग के खिलाफ मुकाबले से पहले छेत्री ने कहा- टीम को मैच पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत

कोलकाता, (हि.स.)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि उनकी टीम को हांगकांग के खिलाफ आगामी एशियाई कप क्वालीफायर मैच पर ध्यान केंद्रित करने और टूर्नामेंट को सकारात्मक नोट पर समाप्त करने की आवश्यकता है। भारत मंगलवार को वीवाईबीके में ग्रुप डी एशियाई कप क्वालीफायर के अपने आखिरी मैच में हांगकांग से और अफगानिस्तान दिन के दूसरे मैच में कंबोडिया से खेलेगा। कप्तान सुनील छेत्री ने एक बयान में कहा, "भले ही हमने पिछले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन हमने अभी तक कुछ हासिल नहीं किया है। हमने जो सीखा है वह सब कुछ अलग रखना है। हमें अभी अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करने और टूर्नामेंट को सकारात्मक नोट पर समाप्त करने की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हमें वहीं से शुरू करने की जरूरत है जहां से हमने छोड़ा था क्योंकि टूर्नामेंट की शुरूआत में कोच ने सुनिश्चित किया था कि हम जीतने के लिए टूर्नामेंट खेलें।" सुनील, जिनके नाम वर्तमान में 83 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं, ने टीम में युवा खिलाड़ियों का उल्लेख किया, जो बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं आपको बता रहा हूं कि इस टीम के साथ अच्छी चीजें होने जा रही हैं। आकाश, जैकसन, सुरेश, अनवर धीरे-धीरे और लगातार अच्छा कर रहे हैं और वे समझ रहे हैं कि उन्हें क्या करना है।" बता दें कि टीम इंडिया ने शनिवार को अपने पिछले एएफसी एशियन कप क्वालीफायर मैच में अफगानिस्तान को 2-1 से हराया था।

DELHI CRIME 15 june 2022:Layout 1 6/14/2022 6:32 PM Page 7

देश में कृषि की प्रधानता आगे भी रहेगी : तोमर

- आईसीएआर के सत्र में स्कूली शिक्षा में कृषि पाठ्यक्रम को मुख्यधारा में लाने पर मंथन

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने स्कूली शिक्षा में कृषि पाठ्यक्रम को मुख्यधारा में लाने के संबंध में मंगलवार को यहां विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया। इसका शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर तोमर ने कहा कि देश में कृषि क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। तोमर ने कहा कि कृषि भारत की ताकत है और इसकी प्रधानता है जो आगे भी रहने वाली है, बल्कि इसका विस्तार भी होगा। इसके मद्देनजर नई शिक्षा नीति के साथ कृषि जगत को जोड़ने का प्रयत्न आईसीएआर ने किया है। इस आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत, बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए कृषि विज्ञान सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रम विकसित करने की दिशा में कृषि शिक्षा प्रणाली को डिजाइन करने पर केंद्रित है। इसलिए, प्राथमिक, मध्य और माध्यमिक विद्यालय स्तर पर एक नया प्रतिमान पेश किया जाएगा, जिसमें कृषि और संबद्ध विज्ञान में छात्रों और युवाओं के विकास के लिए उच्च स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। परिणामस्वरूप, यह विचार-मंथन सत्र कृषि को पाठ्यक्रम में, एक विषय के रूप में शामिल करने के लिए नीति एवं विकास में योगदान देगा और विद्यार्थियों को कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में करियर तलाशने का विकल्प प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मेरूदंड की तरह देश का साथ दिया है। हाल ही में कोविड के संकट काल में भी हमारे कृषि क्षेत्र ने सकारात्मक प्रदर्शन किया है। इस क्षेत्र में निरंतर सुधार, निवेश बढ़ाने व तकनीक का समर्थन करने की आवश्यकता रहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यहीं चाहते हैं कि इन माध्यमों से किसान समृद्धता की ओर बढ़े और इसी अनुरूप सरकार ने अनेक ठोस कदम उठाए हैं। खेती में अनेक आयाम हैं, जिन पर एक साथ काम करना आवश्यक है, वहीं चुनौतियों का भी रफ्तार से समाधान किया जाता रहा है। इसी कड़ी में स्कूली शिक्षा में कृषि पाठ्यक्रम भी स्थान पाएं तथा कृषि में निरंतरता रहे एवं प्रत्येक भारतवासी का इससे जुड़ाव रहें, यह जरूरी है। तोमर ने कहा कि बच्चों में कृषि के प्रति रूझान स्कूलों से ही रहेगा तो वे आगे चलकर कालेज की पढ़ाई के बाद खेती की ओर उन्मुख हो सकेंगे। हमारे किसान स्वाभाविक रूप से स्किल्ड वर्कर है। वर्तमान परिस्थितियों में, आने वाले कल में कृषि का क्षेत्र रोजगार के बहुत सारे अवसर सृजित करने वाला है। उन्होंने इस संबंध में,केंद्र सरकार द्वारा कृषि को टेक्नालाजी से जोड़ने एवं एक लाख करोड़ रुपये का कृषि अवसंरचना कोष स्थापित करने का उल्लेख किया। एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज की महासचिव डा. पंकज मित्तल एवं एनसीईआरटी की पाठ्यक्रम विकास प्रमुख अनिता नूना ने भी संबोधित किया। डेयर के सचिव व आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र भी मौजूद थे। आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने देश में कृषि शिक्षा की वर्तमान स्थिति व कृषि शिक्षा को स्कूल स्तर पर लाने की आवश्यकता के बारे में प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी।

एके-47 मामले में बाहुबली विधायक अनंत सिंह दोषी करार, 21 जून को होगा सजा का ऐलान

पटना, (हि.स.)। बिहार में मोकामा विधानसभा क्षेत्र से राजद के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को एके-47 मामले में मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोषी करार दिया है। उनकी सजा पर 21 जून को सुनवाई होगी। उनके घर से एके-47 की बरामदगी हुई थी। स्पेशल जज त्रिलोकी दुबे की कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। फैसले के वक्त वो कोर्ट रूम में ही मौजूद रहे। 16 अगस्त, 2019 को पटना पुलिस की टीम ने बाहुबली विधायक अनंत सिंह के लदमा गांव स्थित घर पर छापेमारी की थी। करीब 11 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में विधायक के घर से पुलिस ने एक एके-47, दो हैंड ग्रेनेड, 26 राउंड गोली और एक मैगजीन बरामद किया था। अनंत सिंह उस समय मोकामा से निर्दलीय विधायक थे। पुलिस की तरफ से इस कार्रवाई को उस दरम्यान बाढ़ की एसपी रही लिपि सिंह ने किया था। इस मामले में विधायक के घर के केयर टेकर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद इसकी जानकारी पटना की एसएसपी गरिमा मलिक को दी गई। फिर तत्कालीन डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय को भी पूरे मामले से अवगत कराया गया था। पूरे ऑपरेशन को फुलप्रूफ तरीके से अंजाम दिया गया। बाढ़ एसडीएम के आदेश पर बाढ़ के ही बीडीओ को छापेमारी के लिए बतौर मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके बाद उस वक्त के पटना के ग्रामीण एसपी कान्तेश कुमार मिश्रा भी बाढ़ पहुंचे थे। फिर ग्रामीण एसपी और एसपी लिपि सिंह की टीम पूरे पुलिस फोर्स के साथ करीब चार बजे सुबह ही लदमा गांव स्थित सिंह के घर पहुंच गई थी। उस वक्त पुलिस ने छापेमारी की वीडियोग्राफी कराने का भी दावा किया था।

जिहादी कट्टरता और हिंसा के विरुद्ध गुरुवार को सड़कों पर उतरेगा बजरंग दल : मिलिन्द परांडे

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में बढ़ती जिहादी कट्टरवाद की घटनाओं के विरुद्ध बजरंग दल गुरुवार (16 जून) को सड़कों पर उतरेगा। यह जानकारी मंगलवार को विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता देशभर में जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपेंगे। परांडे ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि मस्जिदों से निकलने वाले जिहादी कट्टरपंथी लगातार हिंदुओं के घरों को जला रहे हैं। उन पर जानलेवा हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद जिन मस्जिदों से उन्मादी भीड़ और दंगाई निकले थे, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए। जिन लोगों ने उस भीड़ को उकसाया, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने मांग की कि जिनको धमकियां दी जा रही हैं, उन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा जो लोग ये धमकियां दे रहे हैं, उनके विरुद्ध भी आपराधिक मामले दर्ज कर अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। विहिप महामंत्री परांडे ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के साथ उन जिहादी मानसिकता के लोगों, मस्जिदों तथा जमीयत उलेमा-ए-हिन्द जैसे संगठनों के विरुद्ध भी शिकंजा कसा जाए, जो इन दंगाइयों के खाद-पानी और प्रेरणा के स्रोत हैं। उल्लेखनीय है कि बजरंग दल विहिप की युवा इकाई है।

केन्द्र के 10 लाख नौकरियां देने की घोषणा से विपक्ष बेचैन

-मायावती बोलीं, प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा कहीं छलावा तो नहीं

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला है। उन्होंने केन्द्र की गलत नीतियों की वजह से देश में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ने का आरोप लगाया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को ट्वीट किया कि केन्द्र की गलत नीतियों व कार्यशैली के कारण गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी व रुपये का अवमूल्यन अपने चरम पर है। इससे सभी त्रस्त और बेचैन हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र ने अब अगले डेढ़ वर्ष में यानी लोकसभा आम चुनाव से पहले 10 लाख भर्ती की घोषणा की है। यह कहीं नया चुनावी छलावा तो नहीं है? उन्होंने कहा कि एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों के इससे कई गुणा अधिक सरकारी पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं।

जिनको विशेष अभियान चलाकर भरने की मांग बसपा संसद के अन्दर और बाहर भी लगातार करती रही है। उनके बारे में सरकार चुप है जबकि यह समाज गरीबी व बेरोजगारी से सर्वाधिक दुःखी और पीड़ित है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अगले डेढ़ वर्षों में 10 लाख सरकारी नौकरियों में भर्ती की घोषणा की है। प्रधानमंत्री की इसी घोषणा पर विपक्षी सवाल खड़ा कर रहे हैं। इसी क्रम में बसपा अध्यक्ष ने भी सवाल उठाए हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड: पंजाब पुलिस ने मांगा लॉरेंस बिश्नोई का ट्रांजिट रिमांड, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-पंजाब पुलिस ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में दायर की थी याचिका

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर कर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट रिमांड की मांग की है। ट्रांजिट रिमांड की मांग पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। आज दिल्ली पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। बिश्नोई के वकील विशाल चोपड़ा ने कहा कि पंजाब पुलिस को अगर इस मामले में बिश्नोई से पूछताछ की जरूरत है तो वो दिल्ली में ही गिरफ्तार कर उससे पूछताछ करे। आज लॉरेंस की पुलिस हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे कोर्ट में पेश किया।

10 जून को कोर्ट ने बिश्नोई को आज तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। बिश्नोई का नाम पंजाब के गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में सामने आया है। बिश्नोई ने पंजाब पुलिस से एनकाउंटर की आशंका जताते हुए पटियाला हाउस कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन याचिका खारिज कर दी गई।

देश में पिछले आठ साल में 228 पुरावशेष को विदेशों से वापस लाया गया : जी किशन रेड्डी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि देश में पिछले आठ साल में 228 ऐतिहासिक बेशकीमती धरोहरों को विदेशों से वापस लाया गया है। जबकि इससे पहले इन पुरावशेष की संख्या सिर्फ 13 थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विदेशों से स्वदेशी ऐतिहासिक धरोहरों को वापस लाने का काम तेजी से हुआ है। इनमें से ज्यादातर ऐतिहासिक पुरावशेष यूके, जर्मनी, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा सहित कई देशों से लाए गए। इन देशों के साथ भी राजनयिक रिश्ते मजबूत हुए। नई दिल्ली में आयोजित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ आर्कियोलॉजी (काबा) की मीटिंग में संबोधित करते हुए जी किशन रेड्डी ने कहा कि साल 2021-22 के बजट में घोषित पांच आइकोनिक साइट्स पर तेजी से काम करने की आवश्यकता है। इन साइट्स में शिवसागर, ढोलावीरा, आदिचेल्लनूर, राखीगढी समेत हस्तिनापुर शामिल हैं। ये सभी आइकॉनिक साइट्स हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने के साथ पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि एमसर एक्ट 1958 के तहत एएसआई भारत के ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित एवं उनमें बुनियादी सुविधाएं विकसित करने का महत्वपूर्ण काम कर रहा है। आगामी एक साल में जी 20 देशों के सम्मेलनों की अहम बैठक के लिए भी अब काम तेजी से करना होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि काबा की बैठक में निकले निष्कर्ष में स्मारकों के संरक्षण के काम में तेजी आएगी और नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में काम तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि एएसआई ने स्मारकों के संरक्षण में कई कीर्तिमान स्थापित किए।

हर घर गंगा कैंपेन में दें अहम योगदान - जी किशन रेड्डी ने आहवान करते हुए कहा कि एएसआई हर घर गंगा कैंपेन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। एएसआई अपने स्मारकों के आसपास के गांव में इस कैंपेन के बारे में जागरुकता फैला सकते हैं और इसमें अहम भागीदारी निभा सकते हैं। बता दें कि काबा का गठन साल 1945 में भारतीय संविधान के अनुसार किया गया था। काबा का कार्यकाल 3 वर्ष का होता है।

काबा एक ऐसा बोर्ड है जो ऐतिहासिक महत्व की साईटों, इमारतों, संग्रहालयों के रख-रखाव सहित खुदाई व संरक्षण जैसे एएसआई के कार्यों के लिए राज्यों के संस्कृति सचिवों के साथ मिलकर केंद्र सरकार को अनुशंसा करती है। सही मायनों में कहा जाए तो एएसआई के भविष्य को तय करने का काम काबा द्वारा किया जाता है।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

करीना और अनन्या पांडे के घर पहुंची मुंबई पुलिस

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर आपने अक्सर बॉलीवुड सेलिब्रेटी के आस-पास या उनके घर के बाहर फैंस या फिर पैपराजी की भीड़ देखी होगी। लेकिन हाल ही में बॉलीवुड की दो अभिनेत्री करीना कपूर खान और अनन्या पांडे के घर पर मुंबई पुलिस जा पहुंची, सोशल मीडिया वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद हंगामा मच गया। दरअसल, विरल भयानी ने एक वीडियो शेयर किया हैं। विरल ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, करीना कपूर खान और अनन्या पांडे को मुंबई पुलिस एक इवेंट में आंमत्रित करने आई। आपने क्या सोचा? अब आप समझ गए होंगे कि आखिर क्यों मुंबई पुलिस बेबो और अनन्या के घर पहुंची होगी। करीना और अनन्या दोनों का

फैन फॉलोइंग सोशल मीडिया पर खूब है। इंस्टाग्राम पर करीना को 9.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं। वहीं, अनन्या पांडे को 22.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं। करीना और अनन्या के वर्कफ्रंट की बात करें तब करीना जल्द ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा करीना ओटीटी डेब्यू भी कर रही हैं। वहीं, अनन्या पांडे दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ गहराइयां फिल्म में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही विजय देवरकोंडा के साथ लाइगर फिल्म में नजर आएंगी, जिसे करण जौहर के धर्मा प्रॉडक्शन तले बनाया जा रहा है।

सिंगर मीका सिंह ने बताया कि सिंगर शान की सलाह मेरे काम आई

मुंबई (ईएमएस)। सिंगर मीका सिंह और शान दोनों अच्छे दोस्त हैं, सालों से म्यूजिक इंडस्ट्री में साथ काम कर रहे हैं। मीका सिंह जल्द शादी कर घर बसाने वाले हैं। इन दिनों वह स्वयंवर मीका दी वोटी के लिए सुर्खियों में हैं, जिसमें वह अपनी होने वाली दुल्हनिया को चुनकर घर लाने वाले हैं। मीका सिंह ने हाल ही में वहां किस्सा याद किया जब सिंगर शान ने उन्हें सलाह देते हुए कहा था कि आलीशान गाड़ी नहीं बल्कि ऑटो से आया करो. आखिर क्यों शान ने सलाह मीका को दी थी इसका भी खुलासा उन्होंने किया। हाल ही में उन्होंने बताया कि काम की तलाश में जब वह मुंबई में धूम रहे थे, तब सिंगर शान ने उन्हें महंगी गाड़ी में नहीं आने की सलाह दी थी। मीका सिंह

ने कहा, जब मैं आया था तब शान मुझे बोले आप बड़ी-बड़ी गड़ियों में मत आया करो, क्योंकि यहां पर काम नहीं मिलता। आप सिर्फ इसतरह से आया करो या ऑटो में आओ, तभी काम देंगे लोग। उन्होंने आगे कहा कि इससे मुझे समझ में आया कि शायद मुझे चीजों में बदलाव करने की जरूरत है। आज आप कोई भी रिएलिटी शो उठा लो, उसपर आपको एक सिंगर नजर आएगा, भले ही वहां सिंगर डांस ए जानता हो, लेकिन वहां डांसिंग शो को जज कर रहा है, क्यों? क्योंकि वहां पॉपुलर है।

अक्षय कुमार की 'गोरखा' हुई डिब्बा बंद

फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के बॉक्स ऑफिस आंकड़े बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के लिए बिलकुल भी अच्छे साबित नहीं हुए हैं। फिल्म का कलेक्शन 50 करोड़ रुपये के आसपास ही हुआ है और फिल्म को कई थिएटर्स से हटा भी दिया गया है। वहीं जहां फिल्म अब भी लगी है वहां पर भी उसे ऑडियंस नहीं मिल रही है। इस बीच केआरके ने एक ट्वीट करते बताया है कि अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म गोरखा बंद हो गई है और मेकर्स ने अक्षय के साथ इस फिल्म को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। अक्सर अक्षय कुमार को लेकर ट्वीट करने वाले केआरके ने अब अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म गोरखा के बंद होने को लेकर ट्वीट किया। केआरके ने अपने ट्वीट

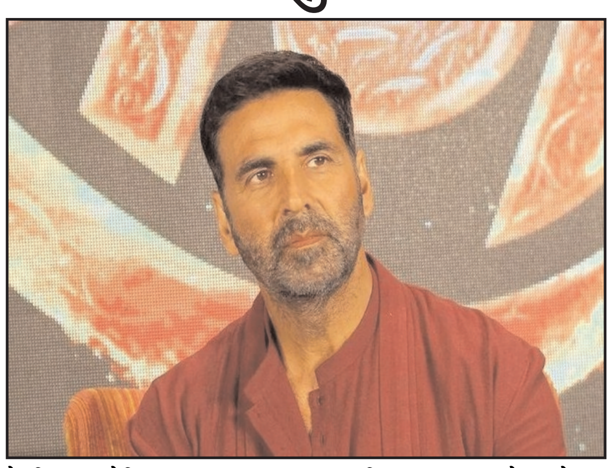

में लिखा, 'ब्रेकिंग न्यूज... अक्षय कुमार बड़ी मुसीबत में हैं, सम्राट पृथ्वीराज के डिजास्टर रिजल्ट की वजह से। फिल्म गोरखा डिब्बा बंद हो गई है। कुमार मंगत ने अक्षय के साथ फिल्म न शुरू करने का ऐलान किया है, जब सिर्फ 75 करोड़ अभिनेता को ही देना है। वहीं साउथ स्टार सूर्या ने भी अक्षय के साथ फिल्म न शुरू करने का फैसला किया है।'

'ब्रह्मास्त्र' को सफल बनाने के लिए बॉलीवुड ने मिलाया पॉलीवुड से हाथ

अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन,मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में इन तीनों कलाकारों के अलावा नागार्जुन, डिम्पल कपाड़िया और मौनी रॉय भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।फिल्म इसी साल 9 सितंबर को रिलीज होने वाली है और मेकर्स इस फिल्म को सफल बनाने की अपनी पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म के प्रमोशन के लिए रणबीर कपूर विशाखापट्नम पहुंचे थे, जहां साउथ फिल्मों के मशहूर फिल्ममेकर एसएस राजमौली भी उनके साथ फिल्म के प्रमोशन में शामिल हुए थे। फिल्म में पहले से ही साउथ सुपरस्टार नागार्जुन अभिनय कर रहे हैं। वहीं अब इस फिल्म से एक और साउथ सुपरस्टार का नाम जुड़ गया है और वो नाम है चिरंजीवी का। इसकी पुष्टि फिल्म के निमार्ता करण जौहर ने की है। करण जौहर ने सेट से चिरंजीवी का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा-'टीम ब्रह्मास्त्र में

आपका स्वागत है, चिरंजीवी सर! बहुत आभारी और सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि आपने फिल्म के तेलुगू संस्करण को अपनी आवाज दी है। अपनी असीम प्रतिभा और भव्यता से इस परिवार को और मजबूत बनाने के लिए धन्यवाद!' गौरतलब है कि लम्बे समय से चर्चा में बनी हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र को करण जौहर, रणबीर कपूर, अपूर्व मेहता और नामित मुखर्जी संयुक्त रूप से प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह पांच भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज की जाएगी।

8 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा रणवीर सिंह वर्सेज वाइल्ड, जंगली जानवरों से जान बचाते दिखेंगे रणवीर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की जान खतरे में है। उनकी लाइफ में ऐसे एडवेंचर ने एंट्री ले ली है कि वह जंगल में जानवरों के बीच फंस गए हैं। खतरे और थ्रिल के बीच आपकी चॉइस रणवीर सिंह की किस्मत का फैसला करेगी। अभी तक नहीं समझे तो सस्पेंस का खुलासा करते हुए बताते हैं क्या है माजरा।अपने कूल स्वैग के लिए फेमस रणवीर सिंह का डेयरिंग अंदाज इससे पहले आपने नहीं देखा होगा। रणवीर सिंह जंगल में मंगल करने वाले हैं। रणवीर मोस्ट पॉपुलर बेयर ग्रिल्स के खतरों के भरे शो मैन वर्सेज वाइल्ड में नजर आने वाले हैं। रणवीर स्पेशल इस शो को रणवीर वर्सेज वाइल्ड नाम दिया गया है। जहां रणवीर बेयर ग्रिल्स के एडवेंचर के चक्कर में फंस गए हैं। रणवीर ने इंस्टा पर शो का पहला टीजर शेयर किया है। जिसमें रणवीर अपना देसी स्वैग दिखाते नजर आते हैं। रणवीर वीडियो में जानवरों से अपनी जान बचाते दिख रहे हैं। बेयर ग्रिल्स के शो ने उनकी हालत कितनी खस्ता कर दी है वो दिखती है। कभी डरे सहमे तो कभी सर्वाइव करने के लिए स्ट्रगल करते रणवीर का ये अंदाज देखना वाकई मजेदार है। रणवीर की जान को खतरा है तब भी वे उनकी कूलनेस कम नहीं हुई। प्रोमो में रणवीर डांस करते हुए भी नजर आते हैं। रणवीर दर्शकों से अपील करते हुए कहते हैं- बटन दबाइएं और मेरी जान

बचाइए। रणवीर सिंह वर्सेज वाइल्ड अगले माह 8 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। रणवीर सिंह का ये टीजर देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। वे शो के ऑनएयर होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जोया अख्तर ने कमेंट किया- क्या फन है। फैंस भी इस शो को लेकर एक्साइटेड हैं। इस शो की शूटिंग के लिए रणवीर जुलाई 2021 में सर्बिया गए थे। इसे आप रणवीर का ओटीटी डेब्यू भी कह सकते हैं। बेयर ग्रिल्स के शो में रजनीकांत, अक्षय कुमार, अजय देवगन, विक्की कौशल पहले ही नजर आ चुके हैं।

नयनतारा-विग्नेश ने तिरुपति मंदिर में नियमों का उल्लंघन करने पर मांगी माफी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार नयनतारा और डायरेक्टर विग्नेश मुसीबत में फंस गए हैं। दरअसल दोनों 9 जून को शादी के बंधन में बंधने के तुरंत बाद तिरुपति बाला जी का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे थे। वहीं इस दौरान नयनतारा को मंदिर परिसर के अंदर चप्पल पहन कर टहलते और फोटोशूट कराते हुए देखा गया था। जबकि वहां पर जूते चप्पल पहना और फोटोग्राफी करना सख्त मना है। अब इसके बाद तिरुमला तिरुपति देवस्थानम समिति के चीफ विजिलेंस सिक्योरिटी ऑफिसर नरसिम्हा किशोर ने उन्हें

लीगल नोटिस भेज दिया है। नरसिम्हा किशोर ने नयनतारा पर आरोप लगाते हुए कहा, 'नयनतारा इस दौरान मंदिर परिसर में चप्पल पहनकर घूम रही थीं। हमारे सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें तुरंत रोका। हमने सीसीटीवी फुटेज में पाया कि दोनों ने नियम को तोड़ते हुए वहां फोटोशूट भी करवाया है, जो यहां मना है।'

हंगामा-2' की एक्ट्रेस प्रणीता सुभाष ने बेटी को दिया जन्म

शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'हंगामा-2' की एक्ट्रेस प्रणीता सुभाष और उनके पति नितिन राजू एक दिन पहले बेटी के पेरेंट्स बने हैं। इस बात की जानकारी प्रणीता ने खुद सोशल मीडिया पर हॉस्पीटल से बेटी, फैमिली और डॉक्टर के साथ की कुछ फोटोज शेयर कर दी है। प्रणीता ने फोटोज शेयर कर लिखा, "पिछले कुछ दिन मेरे लिए काफी अच्छे रहे हैं.... जब से हमारी बच्ची का जन्म हुआ है। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मेरे पास एक स्त्री रोग विशेषज्ञ मां (डॉ जयश्री) हैं। लेकिन, उनके लिए इमोशनली यह सबसे कठिन समय था। शुक्र है कि एस्टर आरवी में डॉ सुनील ईश्वर और उनकी टीम हमारे

साथ थी, जिसने सुनिश्चित किया कि मेरी डिलीवरी स्मूथ हो।" प्रणीता ने आगे लिखा, "मैं हमारे एनेस्थेटिस्ट डॉ सुब्बू और उनकी टीम को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रोसेस में कम से कम दर्द हो। मेरी बर्थ स्टोरी आप सभी के साथ शेयर करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती।"

समुद्र किनारे अनुष्का शर्मा हुई बोल्ड

अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो भले ही लंबे समय से फिल्मों में ना नजर आएं लेकिन फिर भी चर्चा में रहती हैं। हांलाकि अनुष्का लंबे समय के बाद फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं लेकिन इस बीच वो सोशल मीडिया पर फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी तस्वीरें आते ही झट से वायरल हो जाती हैं। एक बार फिर अनुष्का ने अपनी तस्वीरों से धमाल मचा दिया है। बोल्ड और ग्लैमरस अवतार में अनुष्का ने सभी के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। हाल ही में अनुष्का ने बिकिनी पहने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अनुष्का ने ऑरेंज कलर का स्विमसूट पहना जिसमें वो बेहद बोल्ड लग रही हैं। बता दें, इन दिनों अनुष्का पति विराट कोहली और बेटी वामिका के साथ छुट्टियां मना रही हैं और वहीं से अपना सिजलिंग लुक साझा किया है। तस्वीरों के साथ ही अनुष्का का कैप्शन भी सभी का ध्यान खींच रहा है। उन्होंने लिखा, ह्ये है अपनी फोटो खुद लेने का नतीजाह्य।

भारती ने जन्म के 2 माह बाद गलती से किया अपने बेटे 'गोला' के असली नाम का खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया इन दिनों पेरेंटहुड को एंजॉय कर रहे हैं। वे 3 दिसंबर 2017 में गोवा में एक-दूसरे के साथ शादी के बंधन में बंधे। शादी के 4 साल बाद दोनों के घर में खुशियां आईं और भारती ने अप्रैल में बेटे को जन्म दिया। भारती और हर्ष ने अभी तक अपने लाडले का चेहरा रिवील नहीं किया है और न ही बेटे के असली नाम का खुलासा किया है, लेकिन हाल ही में गलती से भारती बेटे का नाम बता बैठीं। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने अपने बेटे के नाम को लेकर सस्पेंस बनाकर रखा था। भारती यूं तो प्यार से बेटे को गोला कहकर बुलाती हैं, लेकिन हाल ही में गलती से कॉमेडियन अपने बेटे का असली नाम बता बैठीं। भारती ने हाल ही में एक वीडियो साझा किया जिसमें वह कहती हैं, उनका बेटा अपनी मां और पिता को काम करते देखने का आदी है। भारती मजाकिया अंदाज में आगे

कहती कि लक्ष्य भी पैदा होने से पहले काम कर रहा था। भारती के इस स्टेटमेंट से साफ है कि उन्होंने अपने बेटे का नाम लक्ष्य रखा है। यूं तो लक्ष्य कोई नया नाम नहीं है। ऐसे में फैंस का मानना है कि भारती ने भी बेटे का कॉमन लेकिन मीनिंगफुल नाम रखा है। लक्ष्य का अर्थ उद्देश्य, मंजिल है। भारती और हर्ष का यू-ट्यूब चैनल है लाइफ ऑफ लिम्बाचियाज। इस चैनल पर भारती अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े ब्लॉग फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। आपको बता दें कि भारती सिंह ने प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने तक काम किया और बेटे के जन्म के कुछ दिनों बाद ही वह काम पर लौट आई थीं, जहां कई लोगों ने उनके फैसले के लिए उनकी प्रशंसा की। वहीं, कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने बच्चे को समय न देने पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया।

फिल्मों में आने से पहले बैडमिंटन प्लेयर रह चुकी हैं किरण खेर

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा किरण खेर का जन्म 14 जून,1955 को पंजाब के चंडीगढ़ में एक सिख परिवार में हुआ था। किरण की शिक्षा -दीक्षा चंडीगढ़ में हुई। किरण नेशनल लेवल की बैडमिंटन प्लेयर रह चुकी हैं । लेकिन बाद में उनका झुकाव अभिनय की तरफ होने लगा और पंजाब यूनिवर्सिटी से डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन थिएटर में स्नातक करने बाद ,चंडीगढ़ के एक थ्रिएटर ग्रुप में शामिल हो गईं और यहां उनकी मुलाकात हुई अनुपम खेर से। इसके बाद दोनों की दोस्ती हो गई। इस दौरान किरण ने साल 1973 में पंजाबी फिल्म ह्यअसर प्यार दाह्न से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। लेकिन जल्द ही साल 1979 में किरण की शादी मुंबई के बिजनेसमैन गौतम बेरी से हो गई। शादी के बाद किरण मुंबई आ गईं । मुंबई आने के बाद किरण अपने गृहस्थ जीवन में

व्यस्त हो गईं और इस दौरान उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम सिकंदर रखा। लेकिन किरण और गौतम का रिश्ता ज्यादा लम्बा न चल सका और साल 1985 में दोनों का तलाक हो गया। इसी बीच किरण की मुलाकात एक बार फिर से अनुपम खेर से हुई और दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगी। गौतम बेरी से तलाक के बाद किरण ने साल 1985 में अनुपम खेर से शादी कर ली । अनुपम ने न सिर्फ किरण बल्कि उनके बच्चे सिकंदर को भी अपनाया, बल्कि अनुपम से शादी करने के बाद किरण ने अपने करियर पर और भी ज्यादा फोकस करना शुरू कर दिया। 1988 में आई पारसी समुदाय पर आधारित फिल्म पेस्टोनजी से किरण ने बॉलीवुड में कदम रखा और कई फिल्मों में नजर आईं। किरण खेर की कुछ प्रमुख फिल्मों में वीर जारा, देवदास, मंगल पांडे, ओम शांति ओम, दोस्ताना, कभी अलविदा न कहना, फना, मैं हू ना आदि शामिल हैं। किरण खेर एक शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ एक सफल राजनेत्री भी हैं। लाखों दिलों को अपने शानदार अभिनय प्रतिभा से जीतने वाले किरण खेर कुछ समय पहले मल्टीपल मायलोमा नामक बीमारी की शिकार हो गईं थी । लेकिन अपनी हिम्मत से उन्होंने जल्द ही इस बीमारी को मात दे दी और शानदार वापसी की। किरण खेर अब भी अभिनय जगत में सक्रिय हैं और सोशल मीडिया पर भी वह काफी एक्टिव रहती हैं।

सूडोकु नवताल- 6102

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6101 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6849

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	धे	मा	जी
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	बा	र	पे	ट	छ	मि	रां	ब	वृ	डि
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ग	ल	ष	ब्रु
बो	आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	ग
य	ग	न	र	रा	गो	ली	ती	जो	घ	ढ़
द	सं	ई	ग	ट्रे	न	ला	स	र	व	स
धु	ह	अ	गां	द	ब	क	घा	हो	श	क
ब	म	तु	ला	व	म	स	या	ट	र	आ
री	गॉ	ल	क	छा	र	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	का	म	रू	प

शब्दजाल में असम के 10 जिलों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

बारपेटा, कछार, दरांग, धेमाजी, धुबरी, गोलाघाट, डिब्रुगढ़, बोगईगांव, जोरहाट, कामरूप

शब्दजाल - 6848 का हल

बा	ला	सो	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
लां	वि	ज	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गी	स	श	ग	बा	छ	ची	ता	रा	क	का
र	ज	र	ज	त	ज	न	अं	गु	ल	ला
क	खु	दो	प	ल	सिं	का	म	ग	व	हां
जी	द	ल	ति	य	ख	ह	ना	हि	र	डी
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	पु	र	र	ल
क	दे	व	ग	ढ़	ब	क	ग	र	श	ण
ने	बा	गां	न्न	ब्रा	ह	त्या	बा	र	ग	ढ़
तें	दु	ज	प	व	जी	र्त	उ	बें	हा	त
क	दु	म	रा	नी	ल	गा	थ	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5802

7		5		3		1
2	39	1	29		26	
	6			2		4
4	30	2	25		34	6
1			4	5		
	30	6	39	4	35	3
	5		6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5801 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in